दैनिक

कीर्तिप्रभा

खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा ■ भोपाल से एक साथ

वर्ष: 28, अंक: 142 पृष्ठ 12, रीवा

बुधवार 11 फरवरी 2026

मूल्य: 3.00 रुपए

राहुल गांधी बोले- बीजेपी असुविधाजनक सच्चाई को फैलने से रोकने और दबाने की कोशिश कर रही

नई दिल्ली, पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में जारी गतिरोध के बीच, राहुल गांधी ने सरकार और पुस्तक के प्रकाशक पेंगुइन पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया है कि संस्मरण सार्वजनिक डोमेन में है और बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह असुविधाजनक सच्चाई को फैलने से रोकने के लिए इसे दबाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद मीडिया से बात में आरोप लगाया कि यह पुस्तक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन पर उपलब्ध है, जिसे पेंगुइन ने सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने पत्रकारों को सेना के एक पूर्व प्रमुख द्वारा 2023 में की गई एक एक्स पोस्ट भी दिखाई, जिसमें उन्होंने लोगों से 2020 में गलवान झड़पों में हुई घटनाओं का विवरण देने वाले संस्मरण पढ़ने का आग्रह किया था।

राहुल गांधी ने कहा कि नरवणे ने 2023 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया था। बस लिंक पर क्लिक करें और पढ़ सकते हैं, जय हिंद। या तो पेंगुइन झूठ बोल रहा है या फिर पूर्व सेना प्रमुख, दोनों सही नहीं हो सकते। पिछले एक सप्ताह से ज्यादा समय से पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब को लेकर लोकसभा में बार-बार व्यवधान उत्पन्न हो रहा है।

चुनाव आते ही कोर्ट भी राजनीति का हिस्सा बन जाता है

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद- सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार, सीजेआई बोले

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई(एम) और सीपीआई के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री एक मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई के लिए तारीख तय करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने सीपीआई(एम) और सीपीआई नेताओं की याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। याचिका में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

कांग्रेस ने पहले उठाया था वीडियो का मुद्दा

दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के X हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था। श्रीनेत के शेयर किए गए वीडियो में असम की भारतीय जनता पार्टी का एक्स अकाउंट नजर आ रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा- यही है असली बीजेपी- सामूहिक हत्यारे। यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी। उन्होंने पूछा कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं?

विधानसभा में दो विधायकों के मोबाइल जब्त

लखनऊ यूपी विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन सदन में स्पीकर सतीश महाना दो विधायकों पर भड़क गए। दरअसल, दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि देते समय दोनों विधायकों के मोबाइल बजने लगे। स्पीकर ने तत्काल सिक्योरिटी बुलाई। बताया जा रहा कि बीजेपी के फतेहपुर सीकरी विधायक चौधरी बाबूलाल और एक अन्य विधायक के मोबाइल बज रहे थे। सिक्योरिटी से दोनों विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा- दोनों माननीय सदस्यों से टेलीफोन ले लो..वो जो पीछे टोपी वाले बैठे हैं।

पप्पू यादव को बेल, लेकिन जेल में ही रहेंगे

पटना पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट से 31 साल पुराने मामले में जमानत मिल गई। हालांकि, वे फिलहाल जेल में ही रहेंगे। कोतवाली थाना और बुद्धा कॉलोनी थाना से जुड़े मामलों में पुलिस ने पप्पू यादव की प्रोडक्शन रिमांड मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। यानी पप्पू यादव अभी बेऊर जेल में ही रहेंगे।

मोदी का प्लेन 14 फरवरी को हाइवे पर लैंड करेगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी 2026 को असम के मोरान में एक हाईवे पर बनी इमरजेंसी एयरस्ट्रिप पर उतर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पूर्वोत्तर भारत में पहली बार होगा जब किसी पीएम का प्लेन पारंपरिक एयरपोर्ट की बजाय हाईवे पर लैंड करेगा। यह एयरस्ट्रिप नेशनल हाईवे 127 के डिब्रूगढ़-मोरान हिस्से पर बनाई गई है।

यह पूर्वोत्तर में पहला ऐसा मौका होगा। पीएम की मौजूदगी में राफेल और सुखोई लड़ाकू विमान एक स्पेशल एरियल डेमो करेंगे। इसमें विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ दिखाएंगे। डेमो करीब 30-40 मिनट का होगा।

टीना अंबानी को नया समन जारी करेगा ईडी

नई दिल्ली प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को नया समन जारी करेगा। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पूछताछ के लिए उन्हें फिर से बुलाया जाएगा। 68 साल की पूर्व अभिनेत्री टीना अंबानी को 9 फरवरी को जांच एजेंसी के सामने पेश होना था, लेकिन वह नहीं पहुंची। अधिकारियों के मुताबिक, अब उन्हें जल्द ही दोबारा बुलाया जाएगा।

माना जा रहा है कि न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक लग्जरी अपार्टमेंट (कंडोमिनियम) की खरीद से जुड़े पैसों के लेनदेन के मामले में उनसे पूछताछ होनी है। ईडी ने हाल ही में इस मामले में रिलायंस कम्युनिकेशन के पूर्व प्रेसिडेंट पुनीत गर्ग को भी गिरफ्तार किया था।

संसद में हंगामा- लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष लामबंद, दिया अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस...

सपा, डीएमके और कई अन्य विपक्षी दलों के 118 सांसदों ने किया समर्थन, ओम बिरला का लोकसभा में ना जाने का फैसला; 9 मार्च को प्रस्ताव पर चर्चा होगी

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

-राहुल गांधी ने स्पीकर को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के नोटिस पर नहीं किए साइन, टीएमसी विपक्ष के साथ नहीं

-स्पीकर ने लोकसभा सेक्रेटरी को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए नोटिस की जांच करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली। संसद में जारी गतिरोध के बीच विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। मंगलवार को सचिवालय को स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे दिया गया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि स्पीकर को हटाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 94-सी के तहत लोकसभा सचिवालय को नोटिस दिया गया है। इस प्रस्ताव को 118 सांसदों का समर्थन हासिल है। ओम बिरला अब लोकसभा नहीं जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने के बाद ही वह स्पीकर की चेयर संभालेंगे। विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में 9 मार्च को चर्चा हो सकती है। 13 फरवरी को बजट सत्र के वर्तमान सेशन का आखिरी दिन है। विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर ने सदन की कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और विपक्ष की आवाज को दबाया गया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। प्रस्ताव सौंपने की प्रक्रिया में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, मुख्य सचेतक कोडिकुन्निल सुरेश और सांसद मोहम्मद जावेद शामिल थे। हालांकि, इस प्रस्ताव में टीएमसी विपक्ष के साथ नहीं है। वहीं स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा सेक्रेटरी जनरल उत्पल कुमार सिंह को विपक्ष द्वारा उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए नोटिस की जांच करने का निर्देश दिया।

विपक्ष ने यह कदम स्पीकर के कार्यशैली और पार्लियामेंट के संचालन के तरीकों पर असंतोष जताने के चलते उठाया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह प्रस्ताव संसदीय इतिहास में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है, क्योंकि इसके समर्थन में बड़ी संख्या में सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। अब आगे की कार्रवाई में संसद अध्यक्ष या स्पीकर इस प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे और चर्चा/मतदान की प्रक्रिया तय करेंगे।

इसके बाद ही प्रस्ताव पर बहस और वोटिंग होगी। सूत्रों के मुताबिक, इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और कई अन्य विपक्षी दलों के कुल 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। बीते 2 फरवरी को, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़ा विषय उठाने की अनुमति न मिलने, सदन की अवमानना के मामले में आठ विपक्षी सांसदों के निलंबित होने और अन्य मुद्दों को लेकर लोकसभा में गतिरोध की स्थिति बनी रही। विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा में विपक्षी नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही, जबकि सत्तापक्ष के नेताओं को स्वतंत्रता है कि वे किसी भी मुद्दे पर बोल सकें। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्पीकर को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के नोटिस पर साइन नहीं किए हैं।

1993 दिल्ली बम धमाका- दोषी भुल्लर की समय से पहले रिहाई पर फिर लगी रोक

नई दिल्ली। वर्ष 1993 में हुए दिल्ली बम धमाके के दोषी देवेंद्र पाल सिंह भुल्लर को फिर बड़ा झटका लगा है। दिल्ली सेंटेंस रिव्यू बोर्ड ने उसकी समय से पहले रिहाई की मांग को खारिज किया है। यह फैसला बोर्ड की हाल ही में हुई बैठक में लिया गया, जिसमें कुल 51 दोषियों के मामलों पर विचार किया गया।

बात दें कि भुल्लर को 1993 में दिल्ली में हुए बम धमाके में दोषी ठहराया गया था, जिसमें 9 लोगों की मौत हुई थी और 31 लोग घायल हुए थे। इस हमले में यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एम.एस. बिट्टा भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। अगस्त 2001 में एक विशेष टाडा (टाडा) अदालत ने भुल्लर को मौत की सजा सुनाई थी, जिस सजा को वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया।

स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर जून 2015 में भुल्लर को दिल्ली की तिहाड़ जेल से अमृतसर सेंट्रल जेल स्थानांतरित किया गया था। वर्ष 2022 में उसकी खराब सेहत और कथित वेजिटेटिव स्टेट को आधार बनाकर समय से पहले रिहाई की मांग की गई थी, लेकिन उस समय भी बोर्ड ने फैसला सुरक्षित रखा। वर्ष 2024 की बैठक में भी उसकी रिहाई को मंजूरी नहीं दी गई। बोर्ड के कुछ सदस्यों ने रिहाई का विरोध कर कहा कि भुल्लर एक आतंकवादी गतिविधि में शामिल रहा है, जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान गई। साथ ही आशंका है कि उसकी रिहाई से खालिस्तान समर्थक तत्वों को गलत संदेश जा सकता है। हालांकि इसी बैठक में बोर्ड ने एनएससीएन (एम) संगठन से जुड़े होपसन निग्नशेन की समय से पहले रिहाई की सिफारिश की है, जो 2009 में मणिपुर में तीन सरकारी अधिकारियों के अपहरण और हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। उसकी रिहाई केंद्र सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा..........

उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया

इंफाल,। मणिपुर में नई सरकार के गठन के महज एक सप्ताह बाद ही हालात फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। उखरुल जिले के लिटन सरेइखोंग गांव में हिंसा भड़क उठी, जहां उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया। घटना के बाद प्रशासन ने एहतियातन पूरे क्षेत्र में पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित की हैं।

जानकारी के अनुसार, लिटन सरेइखोंग गांव में यह हिंसा तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हाल ही में हुई झड़प के बाद सामने आई है। आगजनी की घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थिति को काबू में रखने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

मणिपुर सरकार में मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि हिंसा के दौरान करीब 21 घरों को जलाया गया है। उन्होंने कहा कि हालात फिलहाल तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्री के अनुसार, किसी भी नई घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा हैं और शांति बहाली के प्रयास हो रहे हैं। इस बीच, तांगखुल नागा समुदाय से जुड़े दो संगठनों—काथो लॉन्ग और काथो कटमनाओ लॉन्ग—ने उखरुल और उससे सटे कामजोंग जिले में कुकी समुदाय के लोगों के आने-जाने पर रोक लगाने का ऐलान किया है। इस फैसले के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है, क्योंकि इससे सामाजिक और प्रशासनिक चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। प्रशासन का कहना है कि इंटरनेट सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला अफवाहों और भड़काऊ संदेशों को फैलने से रोकने के लिए लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, हालात की समीक्षा के बाद ही इंटरनेट बहाल करने पर निर्णय लिया जाएगा।

पूरे परिवार ने पिया जहर, पांच शव देख सभी हैरान, पास ही रखे थे दूध के गिलास

दीवार पर लिखा था सुसाइट मैसेज, परिजन और लोगों से पुलिस कर रही पूछताछ

मथुरा,। मथुरा के महावन के गांव खप्परपुर में एक ही परिवार के पांच लोगों मौत से इलाके में हड़कंप मच गया। शवों के पास दूध के गिलास मिले हैं। ऐसे में आशंका है कि पांचों ने दूध में जहर मिलाकर एक साथ पीकर सुसाइड किया है। मरने वालों में पति-पत्नी एक बेटा और दो बेटियां हैं। देर रात इस वारदात को अंजाम दिया गया। सुबह जब कोई नहीं उठा तो परिजनों और आसपास के लोगों को शक हुआ तो घटना की जानकारी हुई। मौके पर पुलिस के साथ ही आला अधिकारी भी पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से जानकारी ले रही है। मौत का सटीक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद पता चल सकेगा। पुलिस के मुताबिक रसोई की दीवार पर आत्महत्या को लेकर संदेश लिखा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खप्परपुर के रहने वाले 35 साल केवक मनीष खेती का काम करते थे। सुबह जब परिवार का कोई सदस्य घर से नहीं निकला तो लोगों को शक हुआ। देखा कि मनीष के साथ ही उनकी पत्नी सीमा (32), बेटी हनी (5), प्रियांशी (4) और दो वर्ष का बेटा पंकज के शव घर में पड़े हुए थे। एक साथ पांच शवों के देख चीख पुकार मच गई। तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक घर की रसोई की दीवार पर लिखा है हम खुद आत्महत्या कर रहे हैं। पुलिस आत्महत्या के कारणों को जानने के लिए मनीष के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। मनीष के घर के बगल में ही उनके दो भाई भी रहते हैं। पिता का देहांत कुछ दिन पहले हो चुका है। फिलहाल परिवार के लोग भी घटना से हैरान हैं। मनीष के भतीजे ने बताया कि सुबह देर तक जब घर का दरवाजा नहीं खुला तो हम लोगों ने गेट तोड़ा दिया। अंदर जाकर देखा तो सभी की मौत हो चुकी थी। उसने बताया कि 2018 में मनीष और सीमा की शादी हुई थी। किसी प्रकार का विवाद नहीं था। किसी से लड़ाई झगड़े की बात से भी परिवार ने इनकार किया है।

नए इनकम टैक्स एक्ट में पैन कार्ड की अनिवार्यता से जुड़े बदलाव

10 लाख तक कैश ट्रांजैक्शन पर पैन जरूरी नहीं

नई दिल्ली। नए इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के ड्राफ्ट नियमों में पैन कार्ड की अनिवार्यता से जुड़े बदलाव किए गए हैं। इसका मकसद छोटे ट्रांजेक्शन पर कागजी कार्रवाई कम करना है। प्रस्तावित नियमों के मुताबिक, अब एक फाइनेंशियल ईयर में 10 लाख या उससे ज्यादा कैश जमा करने या निकालने पर ही पैन नंबर देना अनिवार्य होगा। वर्तमान में बैंकिंग कंपनी या को-ऑपरेटिव बैंक में एक दिन में 50,000 से ज्यादा कैश जमा करने पर पैन कार्ड देना जरूरी होता है। सरकार के इस कदम से छोटे व्यापारियों और आम लोगों को राहत मिलेगी।

वहीं होटल के बिल चुकाने के लिए पैन कार्ड की लिमिट 50,000 से बढ़ाकर 1 लाख की गई है। यानी अगर बिल 1 लाख से कम है, तो पैन की जरूरत नहीं होगी। यही नियम कन्वेंशन सेंटर और इवेंट मैनेजमेंट पेमेंट पर भी लागू होगा। वहीं, प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री या गिफ्ट के मामले में यह लिमिट 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने का प्रस्ताव है।अगर आप 5 लाख से ज्यादा कीमत की मोटरसाइकिल या कोई भी मोटर व्हीकल खरीदते हैं, तो पैन नंबर देना होगा।

भविष्य निधि के नए एप से यूपीआइ के जरिए निकाल सकेंगे पैसा

नई दिल्ली,

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के अंशधारक इस साल अप्रैल में पेश होने वाले एक नए मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए यूपीआइ (यूपीआइ) भुगतान गेटवे का उपयोग करके अपने पीएफ का पैसा सीधे बैंक खातों में पा सकेंगे। एक शीर्ष सूत्र ने यह जानकारी दी।

सूत्र ने बताया कि श्रम मंत्रालय एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत ईपीएफ का एक निश्चित हिस्सा सुरक्षित कर दिया जाएगा, जबकि एक बड़ा हिस्सा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) के जरिए बैंक खाते के माध्यम से निकासी के लिए उपलब्ध होगा।

सूत्र ने आगे बताया कि ईपीएफओ एक नया मोबाइल एप पेश करेगा, जिसके जरिए सदस्य यूपीआइ गेटवे का उपयोग करके पैसे निकालने के साथ ही पासबुक शेष राशि जैसी अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

इस समय सदस्य अपने ईपीएफ खातों तक पहुंचने और सेवाओं का लाभ उठाने के लिए या तो यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) पोर्टल या 'उमंग' एप का उपयोग करते हैं। ये सेवाएं दोनों मंच पर उपलब्ध रहेंगी, जबकि

श्रम मंत्रालय एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत ईपीएफ का एक निश्चित हिस्सा सुरक्षित कर दिया जाएगा, जबकि एक बड़ा हिस्सा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) के जरिए बैंक खाते के माध्यम से निकासी के लिए उपलब्ध होगा। ईपीएफओ एक नया मोबाइल एप पेश करेगा, जिसके जरिए सदस्य यूपीआइ गेटवे का उपयोग करके पैसे निकालने के साथ ही पासबुक शेष राशि जैसी अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

नया समर्पित ऐप ईपीएफओ ग्राहकों के लिए सेवाओं की पहुंच और वितरण में सुधार करेगा। सूत्र ने बताया कि अंशधारक मोबाइल ऐप के जरिए अपने बैंक खातों में हस्तांतरण के लिए उपलब्ध पात्र ईपीएफ शेष राशि देख सकेंगे। उन्हें लेनदेन पूरा करने के लिए अपने जोड़े गए यूपीआइ पिन का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी, जिससे बैंक खातों में धन का सुरक्षित हस्तांतरण सुनिश्चित होगा। ईपीएफओ इस सेवा का फिलहाल परीक्षण कर रहा है। श्रम मंत्रालय द्वारा इस साल अप्रैल में बड़े स्तर पर इस एप को पेश किए जाने की संभावना है।

आयकर कानून का नया नियम अनुपालन बोझ को करेगा कम

लोगों के सुझाव आने के बाद मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचित किया जाएगा

नई दिल्ली,

नए आयकर कानून के लिए जारी नियमों का मसविदा एवं फार्म को काफी सरल बनाया गया है। इसमें नियमों की संख्या लगभग 35 फीसद घटाकर 333 कर दी गई है जबकि फार्म की संख्या में 50 फीसद से अधिक की कटौती की गई है। इस पहल का मकसद करदाताओं के लिए प्रावधानों को सरल बनाना, अनुपालन बोझ को कम करना और व्यवस्था को करदाताओं के अनुकूल बनाना है। आयकर विभाग के सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नए मसविदा नियम और फार्म पर लोगों के सुझाव आने के बाद इसे मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कर विभाग ने बीते सप्ताह शनिवार को नए आयकर कानून, 2025 के तहत नियमों का मसविदा एवं फार्म जारी किए थे। आयकर विभाग ने 22 फरवरी तक आयकर नियम, 2026 के मसौदा नियम और फार्म पर संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे हैं। नया आयकर कानून, 2025 एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा। यह छह दशक से अधिक पुराने आयकर कानून, 1961 की जगह लेगा। आयकर विभाग के सूत्रों ने नियमों के मसविदा और फार्म के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आयकर नियम और फार्म को युक्तिसंगत बनाया गया है। प्रस्तावित आयकर नियम, 2026 के तहत नियमों की संख्या घटाकर 333 जबकि फार्म की संख्या घटाकर 190 की गई है। आयकर नियम ,1962 के तहत इसकी संख्या क्रमशः 511 और 399 थी। प्रस्तावित आयकर नियम में भाषा को सरल बनाया गया है और उन अनुपालन को हटाया गया है जिनकी जरूरत अब नहीं रह गई है। इसके साथ अनुपालन को सुगम बनाने के लिए फॉर्म का मानकीकरण किया गया है। इसके अलावा, नियमों को आयकर कानून, 2025 के साथ संबद्ध किया गया है और अनावश्यक प्रावधानों को समाप्त किया गया है।

नकद जमा, कार खरीदने में पैन उल्लेख में लेन-देन सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव

आयकर नियम के मसौदे में बैंकों में नकद जमा/निकासी, गाड़ी और संपत्ति खरीदने और होटल बिल भुगतान के लिए पैन का उल्लेख करने को लेकर लेन-देन सीमा को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने का प्रस्ताव है। मसविदे में नियोक्ताओं द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का मूल्य बढ़ाने और क्रिप्टो एक्सचेंज के लिए कर विभाग के साथ जानकारी साझा करना अनिवार्य करने का भी प्रस्ताव है। इसमें केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को इलेक्ट्रानिक भुगतान के स्वीकृत तरीके के तौर पर भी शामिल किया गया है। मसविदा नियम में आवास किराया भत्ते (एचआरए) का दावा करने के मकसद से बंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद और हैदराबाद को शामिल करने के लिए श्रेणी-1 महानगरों की सूची का विस्तार किया गया है।

खबर कोना

डीजीसीए ने दो वर्ष में जारी किए 352 कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली,

सरकार ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि विमानन नियामक(डीजीसीए) ने पिछले दो वर्ष के दौरान अलग अलग तरह के उल्लंघनों के लिए एअरलाइन कंपनियों को 352 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। सरकार की ओर से साझा आंकड़ों के मुताबिक, एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2025 के दौरान इंडिगो को सर्वाधिक 98 जबकि एअर इंडिया को 84 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एअर इंडिया एक्सप्रेस को 65, स्पाइसजेट को 45, अकासा एयर को 17, एलायंस एअर को 23, फ्लाइ बिग को 12, एआइएक्स कनेक्ट को 7 और स्टार एअर को एक कारण बताओ नोटिस जारी किए।

बारह फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में 30 करोड़ मजदूर हिस्सा लेंगे : ट्रेड यूनियन

नई दिल्ली,

दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के एक संयुक्त मंच ने सोमवार को कहा कि 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का आ''न जारी है, और उम्मीद है कि देश भर से कम से कम 30 करोड़ मजदूर इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। यूनियनों के समूह ने केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और राष्ट्र विरोधी कॉरपोरेट समर्थक नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दिखाने के लिए नौ जनवरी, 2025 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आ''न किया था। आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की महासचिव, अमरजीत कौर ने पत्रकारों को बताया कि इस बार 12 फरवरी (गुरुवार) को बुलाई गई हड़ताल में, 30 करोड़ से कम मजदूर हिस्सा नहीं लेंगे। पिछली बार हुए विरोध-प्रदर्शन में लगभग 25 करोड़ मज़दूरों ने हिस्सा लिया था। उन्होंने बताया कि हड़ताल का असर देश के 600 जिलों में दिखेगा, जो पिछले साल के लगभग 550 जिलों से ज़्यादा है।

रुपया नौ पैसे टूटकर 90.74 प्रति डालर पर

मुंबई,

रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में नौ पैसे टूटकर 90.74 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि व्यापारी भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार ढांचे के विवरण का आकलन करते नजर आए। रुपए में भारी अस्थिरता देखी गई क्योंकि घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान और विदेशी पूंजी के प्रवाह से मिल रहे समर्थन पर निवेशकों के जोखिम से बचने के रवैये का असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डालर के मुकाबले 90.66 पर खुला। फिर थोड़ा मजबूत होकर 90.37 प्रति डालर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 28 पैसे की बढ़त है। हालांकि, इसने जल्द बढ़त खो दी और 90.77 प्रति डालर के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। अंत में अमेरिकी डालर के मुकाबले 90.74 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे कम है।

औषधि गुणवत्ता के लिए होंगे समान मानक

नई दिल्ली,

देश में औषधि गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा के लिए एक समान मानक तैयार होंगे। इसके लिए भारतीय भेषज संहिता आयोग ने गोवा राज्य फार्मेसी परिषद, भारतीय गुणवत्ता परिषद तथा एचएलएल इन्फ्रा टेक सर्विसेज लिमिटेड के साथ समझौता किया है।

आयोग के अधिकारी ने बताया कि आयोग और गोवा राज्य फार्मेसी परिषद के बीच हुए समझौते के तहत गोवा राज्य में औषधि निगरानी, औषधियों के विवेकपूर्ण उपयोग और फार्मासिस्टों के व्यावसायिक विकास के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक सुव्यवस्थित ढांचा तैयार किया गया है।

इसके अंतर्गत पंजीकृत फार्मासिस्टों के बीच राष्ट्रीय औषधि सूची को बढ़ावा देना, भारत औषधि निगरानी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया की रिपोर्टिंग प्रणाली को मजबूत करना, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सतत शिक्षा गतिविधियों का आयोजन करना शामिल है। साथ ही राज्य में प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया निगरानी केंद्रों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण पर काम किया जाएगा। वहीं, आयोग और भारतीय गुणवत्ता परिषद के बीच हुए समझौते के तहत गुणवत्ता संवर्धन, जनस्वास्थ्य जागरूकता और क्षमता निर्माण से जुड़े विषयों पर काम किया जाएगा।

इस प्रयास के तहत औषधि निगरानी और संबंधित क्षेत्रों में संयुक्त प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रमों की योजना और क्रियान्वयन, संस्थागत विशेषज्ञता और तकनीकी संसाधनों का उपयोग तथा राष्ट्रीय गुणवत्ता और सुरक्षा उद्देश्यों के अनुरूप पहल किए जाएंगे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से बाजार में तेजी

मुंबई,

प्रमुख शेयर सूचकांक और निफ्टी में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उत्साह और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं तथा रियल्टी शेयरों में जोरदार लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

इस दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 485.35 अंक या 0.58 फीसद बढ़कर 84,065.75 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान सूचकांक एक समय 734.28 अंक तक चढ़कर 84,314.68 अंक के उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

बुलेट ट्रेन : रेलवे ने दी सात परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली,

अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण कर रही राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) बजट में पास हुए सात नई उच्च गति रेल (एचएसआर) परियोजनाओं को तैयार करेगा। सोमवार को हुए रेलवे बोर्ड की बैठक में इसे मंजूरी दी गई।

रेलवे अधिकारी ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने सोमवार को देश में नई उच्च गति रेल परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि बजट में प्रस्तावित मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी सात उच्च गति रेल गलियारे को लेकर जल्द प्रक्रिया शुरू होगी। इन सभी परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन की जिम्मेदारी एनएचएसआरसीएल को सौंपी गई है। रेलवे बोर्ड के निर्देश के तहत पहले से तैयार विस्तृत परियोजना रपट को वर्तमान लागत, परियोजना पूर्णता लागत सहित अन्य जरूरत के अनुरूप संशोधित किया जाएगा। इनके अतिरिक्त पूरे भारत में उच्च गति रेल के लिए एक समान तकनीकी और परिचालन मानक को औपचारिक रूप से अंतिम रूप देने का दायित्व भी एनएचएसआरसीएल को ही सौंपा गया है। अधिसूचना में प्रत्येक एचएसआर परियोजना के लिए क्षेत्र में तैनात कोर टीम गठित करने, परियोजना-वार मुख्यालय निर्धारित करने, पूर्व-निर्माण गतिविधियों की सूची तैयार करने और अनुबंध दस्तावेजों की प्रक्रिया प्रारंभ करने को कहा गया है। साथ ही, विभिन्न उच्च गति रेल परियोजनाओं के लिए पर्याप्त और प्रशिक्षित तकनीकी मानव संसाधन की योजना बनाने का निर्देश दिया गया है।

जरूरत का किया जाएगा आंकलन

अधिकारी ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट कहा है कि सभी गलियारे के लिए परियोजना-वार मानव संसाधन का आकलन किया जाए। इससे भारतीय रेल से आवश्यक कार्मिकों की आवश्यकता को भी सम्मिलित किया जाएगा। इस पूरी कार्ययोजना की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। रेलवे के इस प्रयास की मदद से देश में आधुनिक, सुरक्षित और तीव्र रेल संपर्क के विस्तार को बढ़ावा दिया जा सकेगा।

साथ ही क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत किया जा सकेगा। अधिकारी ने बताया कि परियोजना के निर्माण के दौरान आर्थिक विकास पर भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

माल ढुलाई के लिए कई परियोजनाओं पर मुहर

रेल मंत्रालय ने यात्री सेवाओं में तेजी लाने के साथ माल ढुलाई में सुधार के लिए सोमवार को देशभर में कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं की मदद से तमिलनाडु, केरल, असम, झारखंड, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब राज्य को सीधा फायदा होगा। रेल मंत्रालय के अनुसार सोमवार को दक्षिण रेलवे, उत्तर रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के विभिन्न मार्गों से जुड़े परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनकी मदद से यातायात को सुगम, सुरक्षित और अधिक दक्ष बनाने में सहायता मिलेगी। बैठक में झारखंड राज्य के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत बारबेंदा-दमरुघुटू रेल खंड के दोहरीकरण और दमरुघुटू-बोकारो स्टील सिटी के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर 815.32 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। यह परियोजना ऊर्जा, खनिज और सीमेंट परिवहन गलियारे में गति लाएगी। इससे कोयला क्षेत्र, सीमेंट और इस्पात संयंत्रों तथा औद्योगिक क्षेत्रों का संपर्क बेहतर होगा। वहीं उत्तर रेलवे के सबसे व्यस्त मार्ग के 34 स्टेशनों पर आधुनिक इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग प्रणाली लागू करने को मंजूरी दी गई। इस परियोजना पर 421.41 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस परियोजना में दिल्ली मंडल के 21 स्टेशन पर 292.24 करोड़ रुपए और अंबाला मंडल के 13 स्टेशनों पर 129.17 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

विरोध

बारां में सोमवार को एक बछड़े की मौत के बाद हुए प्रदर्शन में गाय रक्षक समिति के सदस्यों और पुलिस कर्मियों के बीच हुई झड़प।

इस्पात के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना का तीसरा चरण किया गया पेश

उन्नत मिश्रित स्टील की क्षमता 87 लाख टन बढ़ेगी

नई दिल्ली,

केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सोमवार को विशेष इस्पात के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआइ) का तीसरा चरण पेश किया। इसका मकसद उन्नत अलाय(मिश्रित) स्टील की क्षमता 87 लाख टन बढ़ाना है। इस योजना(पीएलआई 1.2) के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की सेल के सलेम स्टील संयंत्र समेत 55 कंपनियों और मंत्रालय के बीच करीब 85 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें 11,887 करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है।

कुमारस्वामी ने कहा, पीएलआई 1.2 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के साथ एक सुदृढ़ और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विशेष इस्पात परिवेश बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना उन्नत और रणनीतिक इस्पात उत्पाद में घरेलू क्षमता बनाने को प्रोत्साहित कर 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, इन परियोजनाओं से वित्त वर्ष 2030-31 तक 87 लाख टन विशेषीकृत इस्पात क्षमता जुड़ने की उम्मीद है। इससे इलेक्ट्रिकल स्टील, अलाय और स्टेनलेस स्टील, कोटेड उत्पादों जैसे महंगे इस्पात और रणनीतिक क्षेत्र के लिए जरूरी इस्पात की श्रेणी में देश की क्षमता में काफी बढ़ोतरी होगी। मंत्री ने कहा कि पीएलआई योजना का तीसरा चरण उद्योग की मजबूत मांग और विशेषीकृत इस्पात में लगातार क्षमता बढ़ाने की जरूरत को देखते हुए शुरू किया गया है। यह वाहन, रेलवे, रक्षा, इलेक्ट्रिकल उपकरण और वैमानिकी जैसे क्षेत्र के लिए जरूरी है। पांच साल के समय में चार फीसद से 15 फीसद तक की प्रोत्साहन दर के साथ, यह योजना निवेश, प्रौद्योगिकी उन्नयन और मूल्य वर्धन को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारतीय विनिर्माण को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में जोड़ने के लिए तैयार की गई है। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने कंपनियों से योजना की समय सीमा पर कायम रहने और इसका फायदा उठाने की अपील की, जो विशेष स्तर के इस्पात ग्रेड के उत्पादन पर प्रोत्साहन देती है।

कुमारस्वामी ने कहा, पीएलआइ 1.2 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के साथ एक सुदृढ़ और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विशेष इस्पात परिवेश बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आवेदन पत्र अंतर्गत 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

सक्सेशन प्रकरण MJC SUS 0000010/2025

रवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रवेंद्र सिंह बघेल .आवेदक

Vs

विमला सिंह........अनावेदक

P¤ræ÷àæcess Id- /2026

पेशी दिनांक = 10/03/2026

सूचना -

(1) आम जनता आम व खास पता - ग्राम समेरी तहसील अमरपाटन जिला मैहर म0प्र0

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रवेंद्र सिंह बघेल पिता स्व. श्रीमती अमरावती सिंह पत्नी स्व. लाल मंगल सिंह बघेल निवासी ग्राम समेरी थाना तहसील अमरपाटन जिला मैहर म0प्र0 के नाम इंडियन बैंक इलाहाबाद बैंक शाखा अमरपाटन जिला मैहर म0प्र0 में बचत खाता नंबर 20313459755 में जमा राशि/राशि हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्त प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 10 मार्च 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक के उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 10 मार्च 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहें तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जायेगा।

यह आज तारीख 14 जनवरी 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया है।

टिप्पणी = तलवानुसार आम जनता की तलवी सूचना समाचार प्रकाशन के माध्यम द्वारा।

न्यायाधीश

व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंन्ड अमरपाटन जिला सतना (म.प्र)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विद्यार्थियों से कहा

परीक्षा पे चर्चा

तकनीक से डरने की नहीं है जरूरत

प्रौद्योगिकी का गुलाम न बनें, मार्गदर्शन पाने के लिए करें उपयोग

नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे प्रौद्योगिकी को उन्हें गुलाम नहीं बनाने दें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) का उपयोग मार्गदर्शन और अपने काम में बेहतरी लाने के लिए किया जाना चाहिए, न कि सीखने के विकल्प के रूप में।

उन्होंने वार्षिक 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के नौवें संस्करण की दूसरी कड़ी में कहा कि मोबाइल फोन उन कुछ बच्चों के मालिक बन गए हैं, जो मोबाइल के या टेलीविजन स्क्रीन के बिना खाना भी नहीं खा सकते। उन्होंने कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और गुजरात के विद्यार्थियों से हुई बातचीत में कहा कि हर युग में नई प्रौद्योगिकियों, चाहे कंप्यूटर हों या मोबाइल फोन, को लेकर चिंताएं रही हैं। लेकिन यह डर बेवजह है। उन्होंने कहा कि आपको यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि हम प्रौद्योगिकी के गुलाम नहीं बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे एआइ जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से न डरें, बल्कि उनका उपयोग अपने कौशल को निखारने के लिए करें। हमें एआइ या मोबाइल फोन को अपना मालिक नहीं बनने देना चाहिए, कुछ बच्चे स्मार्टफोन देखे बिना खाना नहीं खाते। हमें प्रौद्योगिकी को समझना होगा, खुद का विस्तार करना होगा, उसमें उस प्रौद्योगिकी की ताकत को जोड़ना होगा, जो हमारे कामों में 'मूल्य संवर्धन' करें। मोदी ने कहा कि काम का स्वरूप हमेशा बदलता रहेगा, जैसे परिवहन बैलगाड़ियों से हवाई जहाजों में परिवर्तित हुआ, लेकिन जीवन चलता रहा। उन्होंने कहा कि कितनी ही उत्तम से उत्तम प्रौद्योगिकी क्यों न आए, हमारे लिए उपयोगी ही होने वाली है, हमें डरने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास करने और पर्याप्त नींद लेने का भी आग्रह किया।

मोदी ने कहा कि परीक्षाओं की अच्छी तैयारी करने के बाद आपको कभी तनाव महसूस नहीं होगा। रात में अच्छी नींद लेने से आप दिन भर खुश रहेंगे। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि वे अपने बच्चों की तुलना दूसरों से न करें। करिअर विकल्पों के बारे में उन्होंने कहा कि लगातार बदलती आकांक्षाएं परिवारों को भ्रमित करती हैं, लेकिन सफल लोगों से प्रेरित होना स्वाभाविक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दूसरों की केवल उपलब्धियों को ही नहीं देखना चाहिए, बल्कि सफलता के पीछे किए गए प्रयास और अनुशासन को भी देखना चाहिए।

'नेताओं का पहला गुण निडरता होना चाहिए'

प्रधानमंत्री से जब पूछा गया कि भावी नेताओं से वह किन गुणों की अपेक्षा रखते हैं तो उन्होंने कहा कि पहला गुण है निडरता। नेतृत्व तब शुरू होता है जब कोई व्यक्ति दूसरों का इंतजार किए बिना कार्य करने का निर्णय लेता है। उन्होंने कूड़ा उठाने का उदाहरण दिया, ताकि दूसरे लोग भी ऐसा करने के लिए प्रेरित हों। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेतृत्व का मतलब चुनाव लड़ना, भाषण देना नहीं है।

गिट्टी का अवैध परिवहन कर रहे ट्रेक्टर को खनिज विभाग ने किया जप्त

सिंगरौली 10 फरवरी 2026/ कलेक्टर श्री गौरव बैनल के निर्देशानुसार एवं खनिज अधिकारी सुश्री आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन मे खनि निरीक्षक श्री अशोक मिश्रा के द्वारा गिट्टी का अभिवहन पास के बिना अवैध रूप से परिवहन करते पाये जाने पर वाहन ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 66 डी 9930 को जप्त कर पुलिस थाना बरगवां में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। वाहन मे खनिज नियमों के तहत् अग्रिम नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

स्वास्थ्य जागरूकता स्क्रीनिंग शिविर का हुआ आयोजन

मऊगंज . प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय मऊगंज में उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तृतीय तिमाही अंतर्गत जिला स्तरीय मेडिकल टीम द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सोमदत्त पाण्डेय द्वारा किया गया किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हे निःशुल्क दवाइया प्रदान की गईं। जिला चिकित्सालय मऊगंज के चिकित्सकों की टीम द्वारा छात्रों की स्वास्थ्य संबंधी जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का समाधान किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान बताया गया कि युवाओं की जीवन शैली में शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए निरंतर जागृत रहते हुए स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाना आवश्यक है। शिविर में डॉ. पदम शुक्ला खंड चिकित्सा अधिकारी, डॉ. पुष्पेंद्र मिश्रा मेडिकल ऑफिसर, डॉ. रुबी श्रीवास्तव सहित अन्य चिकित्सकगण, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चितरंगी में आयोजित सहायक उपकरण परीक्षण शिविर में 254 हितग्राहियो का किया गया पंजीयन

सिंगरौली 10 फरवरी 2026/ कलेक्टर श्री गौरव बैनल के निर्देशानुसार चलाये जा रहे सकल्प से समाधान अभियान के तहत चितरंगी में वृद्धजनों के लिए सहायक उपकरण परीक्षण शिविर में 254 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। विदित हो कि जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ इंडिया के निगमित सामाजिक दायित्व अंतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलमको जबलपुर द्वारा वृद्धजनों को सहायक उपकरण प्रदान करने हेतु परीक्षण शिविर का आयोजन विगत दिवस सामुदायिक भवन चितरंगी में किया गया।

शिविर में वृद्धजनो के लिए विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरणों हेतु परीक्षण किया गया, जिसमें कुल 254 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। परीक्षण उपरांत चयनित वरिष्ठजनों को आगामी तिथि में शिविर आयोजित कर आवश्यक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। शिविर में टीम से ऑडियोलॉजिस्ट सुभाष चंद्र, डाटा मैन आकाश गौतम एवं पी एंड ओ नरेन्द्र सिंह ने हितग्राहियों का परीक्षण किया। शिविर का उद्देश्य वृद्धजनों को सुविधा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना एवं दैनिक जीवन में सहयोग उपलब्ध कराना कराना है। शिविर में जनपद पंचायत चितरंगी से मुख्य कार्यपालन अधिकारी मान सिंह सैयाम, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुनील कुमार यादव, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र बैढ़न से श्याम बाबू यादव सचिव, जीआरएस, सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बोलेरो ने अपाची सवार को मारी टक्कर,दो घायल

भीड़ ने बोलोरो चालक के साथ की मारपीट

दोनों पक्षों की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

सीधी। शहर के पटेल पुल पर रविवार शाम एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन द्वारा अपाची मोटरसाइकिल को टक्कर मार दिए जाने से सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। वही इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वही घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में संज्ञान लेते हुए स्नवुक दर्ज की है।

मिली जानकारी के अनुसार अपाची मोटरसाइकिल पर विवेक विश्वकर्मा और धीरेंद्र जयसवाल सवार थे। शाम के समय पटेल पुल से गुजरते वक्त बोलेरो वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिर पड़े और उन्हें हाथ-पैर तथा शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई। जहां मौके पर मौजूद लोगों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

दूसरी तरफ बोलेरो वाहन चालक सत्यम सिंह निवासी जिला सिंगरौली ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि दुर्घटना के बाद तीन अज्ञात लोगों ने गाँधी चौराहे के रास्ते में उसे रोक लिया और बोलेरो वाहन के शीशे तोड़ दिए। आरोप है कि इस दौरान चालक के साथ मारपीट भी की गई। चालक का कहना है कि हादसे के बाद कुछ लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने यह कार्रवाई की। वही कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। उन्होंने कहा कि बोलेरो वाहन द्वारा बाइक को टक्कर मारने की पुष्टि हुई है, जिसमें बाइक सवार घायल हुए। इसके बाद घायल युवक के भाई और अन्य साथियों द्वारा आक्रोश में आकर बोलेरो वाहन में तोड़फोड़ किए जाने की बात भी सामने आई है।

थाना प्रभारी के अनुसार इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से प्रकरण एफआईआर दर्ज किए जा रहे हैं और वायरल वीडियो सहित सभी साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सड़क दुर्घटनाओं के बाद कानून अपने हाथ में न लें और शांति बनाए रखें। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 110 समस्याएँ

त्वरित व समयबद्ध निराकरण के सख्त निर्देश

सीधी। शासन के निर्देशानुसार जिला पंचायत सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने जिलेभर से आए नागरिकों की कुल 110 समस्याएँ गंभीरतापूर्वक सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों पर तत्काल, प्रभावी एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने कहा कि जनसुनवाई शासन और आमजन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है, अतः प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। यदि किसी प्रकरण में देरी या उदासीनता पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध जवाबदेही तय करते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

सुगम पहल- जरूरतमंद आवेदकों को विशेष सुविधा

जनसुनवाई में दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद आवेदकों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन द्वारा च्सुगम टोकनज्ज् व्यवस्था लागू की जा रही है। कलेक्टर की पहल पर बस संचालकों के सहयोग से पात्र हितग्राहियों को जनसुनवाई के पश्चात निःशुल्क घर वापसी की सुविधा प्रदान की जाएगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं विशेष जरूरत वाले आवेदकों को राहत देना तथा उन्हें सम्मानजनक एवं सहज सुविधा उपलब्ध कराना है। आज की जनसुनवाई के दौरान दो हितग्राहियों को सुगम टोकन प्रदान किए गए

कलेक्ट्रेट सभागार में पर सीईओ जिला पंचायत ने की जनसुनवाई

सीईओ जिला पंचायत ने की 275 आवेदन पत्रो पर जनसुनवाई

सिंगरौली / मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जगदीश गोमे ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 275 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। जन सुनवाई में ग्राम धारी छोटका कोल्हूआ के निवासरत बैगा बस्ती के लोगो द्वारा विद्युत व्यवस्था उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन दिया गया। ग्रामीणो ने अवगत कराया कि 11 के.वी लाईन से 2 सौ मीटर दूर हमारी बैगा बस्ती है जिसमें ट्रन्सफार्मर लगाकर हमारे बस्ती में विद्युतीकरण किया जायें।

जन सुनवाई कर रहे सीईओ जिला पंचायत को अपना आवेदन देते हुयें ग्राम सिद्धी खुर्द निवासी आवेदक धीरज राम रजक एवं गाव के अन्य नागरिको द्वारा गाव सिद्धीखुर्द में लगाये गये हैन्डपम्प से दूषित राखड़युक्त पानी निकालने के संबंध में अवगत कराया गया। उन्होने बताया कि प्रदूषित पानी रिलायंस पावर के राखड बाध के निर्माण होने से लगातार उसके रिसाव एवं राख पानी में मिश्रित होकर हैन्डपम्प में आता है इस मामले की जॉच कराकर हम लोगो स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जायें। वही तेजबली बैस ग्राम सिद्धीखुर्द निवासी द्वारा दूषित पानी निकलने के संबंध में अपना आवेदन दिया गया। ग्राम माड़ा निवासी आवेदन सुरेश दुबे द्वारा आवेदन देते हुयें अवगत कराया गया कि प्राथमिक शाला पोखरी डोल में 1 से 5 वी तक शासकीय विद्यालय संचालित है विद्यालय में शिक्षक उपस्थित नही रहते सीईओ जिला पंचायत के तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी को इसकी जॉच करने हेतु निर्देषित किया गया। इसके साथ ही जिले के सभी उपखण्ड में भी उपखण्ड अधिकारियो के अध्यक्षता में जन सुनवाई आयोजित की गई।

जन सुनवाई में आये आवेदक अनंत राम शाह निवासी ग्राम हर्रहवा राम अवतार केवट निवासी ग्राम बसोड़ा द्वारा अपने जमीन का सीमांकन कराये जाने हेतु आवेदन दिया गया। जन सुनवाई के दौरान एसडीएम सुरेश जाधव, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पराज सिंह, महिला बाल विकास अधिकारी जीतेन्द्र गुप्ता, जिला आपूर्ति अधिकारी पी.सी चन्द्रवंशी, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अरविंद डामोर सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

सिंगरौली। 10 फरवरी 2026/ सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर शासकीय आईटीआई कॉलेज, सिंगरौली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम च्स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित चुनावः कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत एनआईसी सिंगरौली द्वारा व्याख्यान दिया गया, जिसमें विद्यार्थियों को एआई के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल गोपनीयता, साइबर सुरक्षा और फर्जी ऑनलाइन सूचनाओं से बचाव के विषय में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि एआई एक सहायक तकनीक है, जिसका उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना आवश्यक है।

कार्यशाला में छात्रो को बताया गया कि आज के समय में इंटरनेट हमारी दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है।

कक्षा 12वीं के परीक्षार्थियों का तिलक बंदन कर कराया प्रवेश

मैहर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा संचालित हायर सेकेंड्री की वार्षिक परीक्षा जो मंगलवार से प्रारम्भ हो गई उसके प्रथम दिवस छात्र छात्राएं अपने परीक्षा केन्द्रों में पहुंचे जहाँकि केंद्र क्रमांक 382009 में जब बच्चे विद्यालय में प्रवेश किए तो पूरा विद्यालय भारतीय संस्कृति से सुसज्जित कलस व रंगोलियों से सजा था। सभी छात्राओं का विद्यालय प्रमुख एवं अशासकीय विद्यालय संघ मैहर अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र ने केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति में सभी छात्राओं का मंगल टीका तिलक बंदन कर उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ परीक्षा केंद्र में प्रवेश कराया गया।

कलेक्टर मऊगंज ने 51 आवेदनों में की सुनवाई, निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

मऊगंज प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने 51 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। कलेक्टर ने आमजनों की समस्याओं से संबंधित आवेदनों पर कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में रघुराई कोल निवासी ग्राम बघेला ने मुन्नालाल व अनिल कोल द्वारा धोखाधड़ी कर उसकी जमीन की रजिस्ट्री कराए जाने पर जमीन वापस दिलाए जाने की मांग की। कलेक्टर ने एसडीएम हनुमना को आवेदन पत्र का परीक्षण कर कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। विकास कुमार पटेल निवासी ग्राम बन्नई द्वारा ट्रैक्टर चोरी के आरोपियों पर कार्यवाही किए जाने और क्षतिपूर्ति दिलाए जाने का आवेदन दिया। कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक मऊगंज को प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही के लिए पत्र प्रेषित किया। श्रीकांत मिश्रा निवासी ग्राम भगदेवा ने जमीन के खसरा नम्बर में सुधार के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम हनुमना को आवेदन पत्र में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मीरा देवी हरिजन ने आंगनवाड़ी सहायिका के लिए नियुक्ति आदेश दिलाने, सरपंच ग्राम पंचायत बहेरा कोठार ने निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास गिराने वाले आरोपियों पर कार्यवाही करने, शांति मिश्रा निवासी ग्राम नदहा ने उनके घर में हुई चोरी के आरोपियो पर कार्यवाही करने तथा सुषमा शुक्ला निवासी ग्राम हटवा निर्भयनाथ ने जमीन का नामांतरण कराने सहित अन्य लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र कलेक्टर को दिए गए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों पत्रों पर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभात द्विवेदी को कांग्रेस का नगर अध्यक्ष बनाए ,जाने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

मैहर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी आदेश के तहत मैहर नगर कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में प्रभात द्विवेदी' की नियुक्ति किए जाने से कांग्रेस संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। इस नियुक्ति को संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी एवं प्रदेश नेतृत्व के अनुमोदन के बाद की गई। इस नियुक्ति से मैहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रभात द्विवेदी को एक ऐसे नेता के रूप में जाना जाता है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी की विचारधारा से समझौता नहीं किया

और निरंतर संघर्ष करते हुए संगठन के लिए कार्य किया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रभात द्विवेदी की नियुक्ति से नगर कांग्रेस को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। वे जमीन से जुड़े नेता हैं और कार्यकर्ताओं के सुख दुख में सदैव खड़े रहे हैं। संगठनात्मक अनुशासन, संघर्षशीलता और स्पष्ट विचारधारा उनकी पहचान रही है। नवनियुक्त नगर अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे तथा कांग्रेस की नीतियों को जनजन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

कलेक्टर ने आकांक्षी ब्लॉक हनुमना में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का किया शुभारंभ

अभियान के दौरान तीन लाख लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य

मऊगंज . मऊगंज जिले के आकांक्षी ब्लॉक हनुमना में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का कलेक्टर संजय कुमार जैन ने शुभारंभ किया और मऊगंज जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के लिए 540 दलों का गठन किया गया है, जो 370 गांवों में घर-घर जाकर लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाएंगे।

अभियान के दौरान बाहर से आने वाले प्रवासी लोगों को भी इसके दायरे में शामिल किया गया है, ताकि कोई भी व्यक्ति दवा से वंचित न रहे। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम इस अभियान को सफल बनाने में जुटी हुई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा फाइलेरिया से बचाव के लिए 8 तरह की दवाइयां उपलब्ध कराई गई हैं, जिन्हें प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में आमजनों को सेवन कराया जाएगा। अभियान 10 फरवरी से शुरू हो गया है और आगामी 24 फरवरी तक घर-घर जाकर समस्त लक्षित जनसमुदाय को दवा का सेवन कराया जाएगा। इस 15 दिवसीय विशेष अभियान के दौरान लगभग तीन लाख लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य सौ प्रतिशत कवरेज के साथ फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करना है।

कलेक्टर ने बताया कि फाइलेरिया मच्छरों के काटने से फैलने वाला एक परजीवी रोग है। इसके लक्षण (पैरों या अंगों में सूजन) संक्रमण के कई सालों बाद दिखाई देते हैं। यह दवा फाइलेरिया के परजीवीयों को मार देती है और हांथीपाँव व् हाइड्रोसील जैसी बीमारी से बचाने में मदद करती है। दवा पेट के अन्य खतरनाक कीड़ों को भी खत्म कर देती है तथा खुजली एवं जू के खात्मे में भी मदद करती है। चूंकि इस बीमारी में हाथ और पैर हाथी के पांव जितने सूज जाते हैं इसलिए इस बीमारी को हाथीपांव कहा जाता है। रोग की प्रारंभिक अवस्था मे बुखार, बदन में खुजली और पुरुषों के जननांग और उसके आस-पास दर्द व सूजन की समस्या होती है। इसके अलावा पैरों और हाथों में सूजन, हाइड्रोसिल (अंडकोषों की सूजन) भी फाइलेरिया के लक्षण हैं। कलेक्टर ने आमजन से अपील की है कि वे फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सहयोग कर दवाइयों का सेवन अवश्य करें और फाइलेरिया मुक्त मऊगंज के निर्माण में सहभागी बनें। फाइलेरिया से बचाव के लिए चलाए गए इस अभियान में जिला मलेरिया अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। सभी विभाग आपसी समन्वय से अभियान को सफल बनाएंगे। अभियान के शुभारंभ के दौरान एसडीएम हनुमना रश्मि चतुर्वेदी, डॉ. केबी गौतम, बीएमओ डॉ. नागेन्द्र मिश्रा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और आमजन उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सीधी, जिला-सीधी (म.प्र.)

एन.आई.टी. क्रमांक 611..../ई टेंडरिंग/न.पा./2026 — सीधी, दिनांक 06.02.2026

निविदा सूचना (तृतीय आमंत्रण)

निम्नलिखित कार्य हेतु "A" Class electrical Contractors Valid License from M.P. electrical Licensing Board Govt. of M.P. and Registered in appropriate category of M.P." केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_480966_1 दिनांक 09.02.2026	वार्ड क्रमांक 01,02,07,08,09,10,12,20,22 एवं 23 के विभिन्न स्थानों में विद्युतीकरण का कार्य।	(1) 02 माह (2) 14.41 लाख	(1) 2000.00 (2) 10806.00	23.02.2026

नोट :- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीधी

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है
- चाणक्य

अमेरिका की 74 फ़ीसद आबादी पर रोज़ी–रोटी का संकट

पूंजीवादी देश अमेरिका जो दुनिया के देशों को समृद्धि और लोकतंत्र का पाठ पढ़ाता है वह अपने ही नागरिकों को दो टाइम का भोजन नहीं दे पा रहा है। अमेरिका का मध्यम वर्ग गरीब हो रहा है। सारी दुनिया में अमेरिका की जो तस्वीर दिखाई जाती है, ठीक उसके विपरीत हालिया सर्वे मे एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने अमेरिका की कलई खोल कर रख दी है। आमतौर पर चमकदार इमारतों, शेयर बाज़ार और वैश्विक ताक़त की आड़ में अमेरिका अपनी वास्तविकता को छिपा देता है। सर्वे के अनुसार अमेरिका की करीब 74 प्रतिशत आबादी रोज़ी–रोटी के गंभीर संकट से जूझ रही है। यह संकट केवल गरीबों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मिडिल क्लास और युवा वर्ग पर इसकी सबसे बड़ी मार पड़ी है। अमेरिका में हालात ये हैं, लोग बिजली, गैस, पानी जैसी बुनियादी जरूरत के मासिक बिल तक अदा नहीं कर पा रहे हैं। किराना, किराया और स्वास्थ्य खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सर्वे के अनुसार 10 में से 9 अमेरिकी मानते हैं, पूरा अमेरिका च्कॉस्ट ऑफ लिविंग क्राइसिसज्ज् में फंस गया है। सर्वे में 10 में से 8 लोगों ने माना है, पिछले एक साल में महंगाई तेजी के साथ बढ़ी है। जिसके कारण उनका नियमित जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पिछले 1 साल में जिस तरह से सरकार की नीतियां हैं, उसने आम आदमी का जीवन दूभर कर दिया है। सबसे चिंताजनक स्थिति अमेरिका मे युवाओं की है। महंगाई और बेरोजगारी के चलते युवा वर्ग में गुस्सा, असंतोष और निराशा तेज़ी से बढ़ती जा रही है। अमेरिका का मध्यम वर्ग टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती थी उसका उपयोग छुट्टियों, मनोरंजन या ख़रीदारी के लिए करता था। अब टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती है, उसका उपयोग पेट भरने और कर्ज़ चुकाने के लिए करना पड़ रहा है। सर्वे के अनुसार 73 प्रतिशत लोगों ने माना है, टैक्स रिफंड अब जीवन यापन के लिए ज़्यादा ज़रूरी हो गया है। 60 प्रतिशत लोगों ने रिफंड जल्दी देने की बात कही है। टैक्स रिफंड में देरी होने से खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है। जेन–जी के लिए यह संकट और भी गहरा है। करीब 74 प्रतिशत युवा रिफंड नहीं मिलने पर आपात ज़रूरतें भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

अमेरिका के इस आर्थिक दबाव का सीधा असर सभी वर्गों पर देखने को मिल रहा है। अमेरिका से आंतरिक पलायन शुरू हो गया है। लोग एक शहर से दूसरे शहर, एक राज्य से दूसरे राज्य यहां तक कि यूरोपीय देशों में भाग रहे हैं। जहां वह वर्षों से रह रहे थे, वहां अब उनका गुज़ारा संभव नहीं हो पा रहा। सर्वे बताता है कि जेन–जी के लगभग 50 प्रतिशत युवा तथा कुल आबादी के 38 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक आर्थिक कारणों से ठिकाना बदल चुके हैं। यह पलायन की स्थिति उन्हें जड़ों से काटने की प्रक्रिया मानी जा रही है। विडंबना यह है, जिन राज्यों को च्अफोर्डेबल अमेरिकाज्ज् कहा जाता है, उनमे मिसिसिपी, अलबामा और ओक्लाहोमा के 60 प्रतिशत लोग मानते हैं। वह किसी तरह से अपना खर्च चला पा रहे हैं। अमेरिका के सबसे सस्ते राज्यों की बड़ी आबादी आर्थिक संकट से जूझ रही है। यह स्थिति इस बात का सूचक है कि अमेरिका गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है। पिछले एक साल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जिस तरह के निर्णय लिए जा रहे हैं, उसके बाद अमेरिका में बदहाली बढ़ती जा रही है। इसका असर सामाजिक स्तर पर बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। युवाओं को अपना भविष्य अंधकार में दिख रहा है। इससे उनमें गुस्सा, नशा और सामाजिक तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका में युवाओं की बहुत बड़ी संख्या अब अपराध की ओर भी जाती हुई दिख रही है। यह वही अमेरिका है, जहां सड़कों पर समृद्धि दिखती है। पूंजीवादियों के ऐशो आराम और अय्याशी को देखकर लगता है, अमेरिका बहुत धनवान है। अमेरिका में रहने वाले लोग बहुत प्रसन्न हैं, लेकिन अमेरिका की स्थिति ठीक इसके विपरीत है। नागरिकों के मन में असुरक्षा और भय पनप रहा है। अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है, जहां उसकी चमकदार छवि और ज़मीनी हकीकत के बीच की खाई गहरी होती जा रही है। अमेरिका में 74 प्रतिशत आबादी के सामने रोज़ी–रोटी का संकट होना अमेरिका के लिए गंभीर चेतावनी है। अमेरिका खुद को दुनिया का नेतृत्वकर्ता मानता है, लेकिन अमेरिका लगातार कर्ज के संकट में फंसता चला जा रहा है। सारी दुनिया में दादागिरी करने के चक्कर में लगातार अपने ही बनाए गए मकड़ जाल में फंसता जा रहा है। जिसके कारण अब अमेरिका को हर तरफ से चुनौती मिल रही है।

यह अमेरिका के उस आर्थिक मॉडल की कहानी है। जो अपने फायदे के लिए किसी भी स्तर तक जाकर अपनी दादागिरी कायम रखना चाहता है। लेकिन अब यही दादागिरी अमेरिका के अस्तित्व के लिए संकट बन गया है। गलत नीतियों के कारण जिस तरह से सोवियत रूस का विघटन हुआ था लगभग वही स्थिति अब अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से गरीबों और मध्यम वर्ग को उनके हाल पर छोड़ दिया है। जिस तरह से अमेरिका में अपराध बढ़ रहे हैं। अमेरिका की सरकार पर बढ़ता कर्ज अब अमेरिका के ऊपर भारी पड़ने लगा है। रही सही कसर डॉलर का जो वैश्विक अस्तित्व था अब उसे चुनौती मिल रही है। जिसके कारण आने वाले समय में अमेरिका विघटन की ओर बढ़ रहा है।

साम्प्रदायिकता की बुझे आग, हर हर दीपक बने घर घर जले चिराग़

भारत को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकने के बड़े पैमाने पर चल रहे दुष्प्रयासों के बीच मानवतावादी हिंदुत्व के एक प्रबल प्रतीक के रूप में पिछले दिनों उत्तराखंड के कोटद्वार के एक जिम ट्रेनर दीपक कुमार का नाम एक प्रकाश पुंज के रूप में सामने आया। दीपक ने एक मुस्लिम बुज़ुर्ग दुकानदार को साम्प्रदायिक बवाल से बचाने के लिए स्वयं को मोहम्मद दीपक बताते हुये उपद्रवियों का मुकाबला किया और उन्हें खदेड़ भगाया। दरअसल कोटद्वार में बाबा स्कूल ड्रेस एंड मैचिंग सेंटर नाम की करीब 30 वर्ष पुरानी गार्मेन्ट की दुकान 75 वर्षीय मुस्लिम दुकानदार वकील अहमद चलाते हैं। गत 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) को बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ताओं ने दुकान के नाम में बाबा शब्द होने पर आपत्ति जताई और बाबा शब्द को स्थानीय हनुमान मंदिर से जोड़ते हुए दुकान का नाम फ़ौरन बदलने की धमकी दी। जबकि दुकानदार का कहना था कि बाबा शब्द सभी धर्मों में इस्तेमाल होता है। इसी विवाद के बढ़ने पर दीपक कुमार कश्यप जो पास ही एक जिम चलाते हैं अपने एक सहयोगी विजय रावत के साथ मौक़े पर आ पहुंचे। दीपक कुमार बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में मुंबई में भाग लेने तथा ओलंपियाड में टॉप-6 में रहने वाले स्थानीय युवक हैं। दीपक कुमार के वहां पहुँचने व मामले में हस्तक्षेप करने पर जब प्रदर्शनकारियों ने उनका नाम पूछा तो उन्होंने अपना नाम मोहम्मद दीपक बताया। दीपक ने कहा, मैं न हिंदू हूं, न मुस्लिम; सबसे बड़ा धर्म इंसानियत है। उन्होंने उस समय उपद्रवियों का डटकर मुक़ाबला कर उन्हें मौक़े से खदेड़ भगाया। उसके बाद इस विवाद ने और अधिक तूल तब पकड़ा जब इस घटना के बाद बजरंग दल व इससे जुड़े हिंदूवादी संगठनों के लोगों ने दीपक के जिम के बाहर प्रदर्शन शुरू किया। बात इतनी बढ़ी कि पुलिस ने दोनों पक्षों पर मुक़दमे दर्ज कर दिये। दीपक व उनके साथी विजय रावत के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 115(2), 191(1), 351(2) और 352 लगाई गईं। परन्तु दीपक का आरोप है कि सत्ता के दबाव में पुलिस ने एकतरफ़ा रवैया अपनाया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के ख़िलाफ़ भी प्राथमिकी दर्ज की है।

बहरहाल इस घटना के बाद पूरे देश का उदारवादी समाज मोहम्मद दीपक व उनके साथी विजय रावत को देश में दिनोंदिन बढ़ती जा रही साम्प्रदायिकता के इस दौर में उम्मीद की एक मशाल के रूप में देख रहे हैं। पूरे देश में उनकी सराहना हो रही है। उन्हें इंसानियत और संविधान के लिए खड़े होने के प्रतीक के रूप में भी देखा जा रहा है। संसद से सड़कों तक उनकी हिम्मत और हौसले की चर्चा करते हुये उनकी प्रशंसा की गयी। जगह जगह से सरकारी व ग़ैर सरकारी स्तर पर उन्हें सम्मानित किये जाने की चर्चा चल रही है। कोटद्वार पहुंचकर उनसे मिलने वालों का तांता लगा हुआ है। देश का उदारवादी वर्ग उन्हें वास्तविक हिंदुत्व के एक रौशन चेहरे के रूप में देख रहा है। रातों रात उनके फ़ॉलोवर्स की संख्या में लाखों का इज़ाफ़ा हो रहा है। राहुल गांधी ने तो दीपक की बहादुरी की तारीफ़ करते हुए उन्हें भारत का हीरो तक कह दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि दीपक संविधान और इंसानियत के लिए लड़ रहे हैं, और नफ़रत के बाज़ार में मोहब्बत की दुकान का जीवित प्रतीक हैं। राहुल ने यह भी पोस्ट किया कि - डरो मत, तुम बब्बर शेर हो। हम तुम्हारे साथ हैं भाई। बेशक यह हौसला बढ़ाने और नफ़रत के ख़िलाफ़ एकता का संदेश था। राहुल ने दीपक को बब्बर शेर इसलिए कहा क्योंकि उन्होंने मुस्लिम दुकानदार को बचाने के लिए साहस दिखाया। जब कि ऐसे हालात में प्रायः लोग तमाशबीन बनकर देखते रहते हैं और उपद्रवी अपनी करतूतों से शांतिपूर्ण वातावरण में साम्प्रदायिकता का ज़हर घोलकर चले जाते हैं। परन्तु दीपक व उसके साथियों के साहस ने यहाँ ऐसा नहीं होने दिया।

इसी तरह याद कीजिए 22 अप्रैल 2025 का वह दिन जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में पर्यटकों का धर्म पूछकर 26 लोग आतंकी हमले में मारे गए थे उस समय भी एक स्थानीय घुड़सवार आदिल हुसैन शाह अपनी जान की परवाह किये बिना मेहमान हिन्दू पर्यटकों को बचाने के लिये आतंकवादियों से भिड़ गये थे। इस संघर्ष में आदिल को कई गोलियां लगीं, और वे वहीं शहीद हो गए। आदिल की हिम्मत ने कई पर्यटकों की जान बचाई अन्यथा मरने वालों की संख्या और बढ़ जाती। घटना के अनुसार आदिल पर्यटकों के साथ घोड़े पर थे जब उन्होंने देखा कि आतंकी निर्दोषों पर गोलीबारी कर रहे हैं तो उन्होंने चीख़ चीख़ कर आतंकियों से कहा कि यह पर्यटक कश्मीर के मेहमान हैं और निर्दोष हैं, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। परन्तु जब आतंकी नहीं रुके, तो आदिल ने एक आतंकी से हाथापाई की और उसकी राइफ़ल छीनने की कोशिश की। तभी आतंकियों ने आदिल को गोलियों से छलनी कर दिया। इसी आतंकी हमले में नज़ाकत अहमद शाह और सज्जाद अहमद भट जैसे मुस्लिम शॉल विक्रेता व गाइड ने पर्यटकों की जान बचाई, जो कश्मीरियों की मानवता के प्रतीक बने। पहलगाम के निवासी नज़ाकत अहमद शाह सर्दियों में छत्तीसगढ़ के चिरमिरी में शॉल व गर्म कपड़े आदि बेचने जाते थे, जहां उनके संबंध अरविंद अग्रवाल परिवार से हो गये। पहलगाम आने पर नज़ाकत ने ही अग्रवाल परिवार के 11 पर्यटकों को गाइड किया। बैसरन घाटी में हमले के दौरान आतंकियों की गोलीबारी शुरू होते ही वे अग्रवाल परिवार के बच्चों को उठाकर बाड़ तोड़कर सुरक्षित जगह ले गए और बाक़ी सदस्यों को भी पहलगाम पहुंचाया। हालांकि उसी क्षण आतंकियों की गोली से मारा गया आदिल हुसैन, नज़ाकत अहमद शाह का रिश्तेदार था फिर भी उन्होंने पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी। उस समय नज़ाकत शाह ने कहा था कि - मेहमानों को बचाना मेरी पहली ज़िम्मेदारी थी, चाहे खुद बचें या न बचें। एक अन्य शॉल विक्रेता सज्जाद अहमद भट ने भी घायल पर्यटकों को अपने कंधे पर उठाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। भट ने भी उस समय यही कहा था कि, धर्म से पहले इंसानियत है।

मुहम्मद दीपक से लेकर आदिल, नज़ाकत व सज्जाद तक में एक बात तो सामान्य है कि इन सभी की बहादुरी के क़िस्से सार्वजनिक होते ही देश-दुनिया के करोड़ों लोगों का प्यार इनके प्रति उमड़ पड़ा। गोया आम लोग इन्हें शांति व सद्भाव का मसीहा समझने लगे। बस प्रत्येक आतताइयों, अतिवादियों व नफ़रती लोगों के नापाक मंसूबों को पलीता लगाने के लिये हर घर से दीपक, आदिल, नज़ाकत व सज्जाद जैसे मानवतावादियों को बाहर निकलना होगा।

लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास!

विपक्ष के 128 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंप दिया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि उन्होंने नियम 94सी के तहत लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ज्बोलने की इजाजत नहीं देनेज्ज्, साथ ही कांग्रेस की महिला सांसदों पर सदन में अनुचित स्थिति पैदा करने के आरोपों पर विपक्ष अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए यह प्रस्ताव लाया है।लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश और सांसद मोहम्मद जावेद तथा अन्य कई सांसद नोटिस सौंपने वालो में शामिल है।लोकसभा की प्रक्रिया और आचरण के मानदंडों के नियम 198 के अनुसार, विपक्ष को लोकसभा में मतदान से पहले अविश्वास प्रस्ताव के अपने अनुरोध के लिए औचित्य प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।अविश्वास प्रस्ताव की पूरी प्रक्रिया लोकसभा की प्रक्रिया व कार्य संचालन प्रणाली के नियम 198 (1) से नियम 198 (5) तक के तहत पूरी की जाती है।इस प्रक्रिया के तहत नियम 198 (1) (क) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पेश करने वाले सांसद को पहले स्पीकर के जरिये सदन की अनुमति लेनी पड़ती है।सदन की अनुमति के लिए नियम 198 (1) (ख) के मुताबिक, प्रस्ताव की जानकारी सुबह 10 बजे से पहले लोकसभा के महासचिव को देनी पड़ती है।नियम 198 (2) के तहत प्रस्ताव के साथ सांसद को 50 सांसदों के समर्थन वाले हस्ताक्षर दिखाने होते हैं।नियम 198 (3) के तहत लोकसभा अध्यक्ष से प्रस्ताव को अनुमति मिलने के बाद उस पर चर्चा का दिन तय होता है। चर्चा प्रस्ताव पेश होने के 10 दिन के अंदर करानी होती है।नियम 198 (4) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के अंतिम दिन लोकसभाध्यक्ष वोटिंग कराते हैं और उस आधार पर फैसला होता है।नियम 198(5) के तहत लोकसभा अध्यक्ष को टिप्पणी के लिए समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है। यदि प्रस्ताव सदन द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है।अब तक लोक सभा में 27 बार अविश्वास प्रस्ताव रखे जा चुके हैं।लोक सभा में सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव अगस्त 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के खिलाफ जे बी कृपलानी ने पेश किया था। लेकिन विपक्ष सरकार गिराने में नाकाम हो गया था, क्योंकि इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट पड़े और विरोध में 347 वोट पड़े थे।लेकिन सन 1978 में लाये गए अविश्वास प्रस्ताव ने मोरारजी देसाई सरकार को गिरा दिया था।अब तक सबसे ज्यादा 4 बार अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का रिकॉर्ड माकपा सांसद ज्योतिर्मय बसु के नाम है। उन्होंने अपने चारों प्रस्ताव इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ रखे थे।सबसे ज्यादा अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाली भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार रही है। इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ 15 अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गये थे।इसके अलावा पी? वी? नरसिम्हा राव और लाल बहादुर शास्त्री की सरकारों ने तीन-तीन बार अविश्वास प्रस्ताव का सामना किया था।पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार इंदिरा गांधी सरकार और दूसरी बार पी? वी? नरसिम्हा राव सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था।

दुखी चित्त के लक्षण हैं उत्सव

[illegible]

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्र उदय पश्चिमे तिथि नवमी, बुधवार, अनुराधा नक्षत्र, व्याघात योग, गर करण, वृश्चिक राशि चंद्रमा, भद्रा 39/33 मूल प्रारंभ दिन 10/22 सर्वार्थसिद्धि योग 9/54 [illegible] उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, सुन्दर, सुशील, कोमल हृदय वाला, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनी-मानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, इंजीनियर, प्रोफेसर, कम्प्यूटर इंजीनियर, बैंक कर्मचारी, किराना-कपड़ा मर्चेंट होगा।

मेष राशि - तनाव पूर्ण वातावरण से बचिये, स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बैचेनी अवश्य बनेगी।

वृष राशि - भोग-ऐश्वर्य प्राप्ति के बावजूद तनाव व क्लेश होगा, तनाव से बचकर चलें

मिथुन राशि - भोग-ऐश्वर्य, तनाव व क्लेश की स्थिति का वातावरण बनेगा, धैर्यपूर्वक कार्य करें

कर्क राशि - अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, भाग्य साथ देगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे।

सिंह राशि - परिश्रम सफल होगा, व्यावसायिक गति मंद होगी, आर्थिक योजना पूर्ण अवश्य ही होगी।

कन्या राशि - कार्य व्यवसाय गति उत्तम, व्यर्थ परिश्रम तथा कार्यगति पर ध्यान अवश्य दें

तुला राशि - किसी दुर्घटना से बचें चोट-चपेट आदि का भय है, रुके कार्य व्यवसाय अवश्य ही होंगे।

वृश्चिक राशि - कार्यगति अनुकूल रहेगी, लाभान्वित कार्ययोजना बनेगी, बाधा आदि से बचकर चलें

धनु राशि - प्रतिष्ठा के साधन बनेंगे किन्तु लाभ की स्थिति कम, कार्य अवरोध होगा।

मकर राशि - अधिकारी वर्ग से तनाव, क्लेश होगा, मानसिक अशांति, कार्य बनेंगे ध्यान दें

कुंभ राशि - मनोबल बनाये रखें नया कार्य विचार होगा, समय स्थिति को ध्यान में रखकर कार्य अवश्य करें

मीन राशि - दैनिक कार्यगति उत्तम होगी, कुटुम्ब में सुख समय उत्तम बनेगा, समय का ध्यान रखें

सदन ठप, सवाल अनुत्तरित लोकतंत्रकी कसौटी पर कांग्रेस का रवैया

संसद का बजट सत्र देश की आर्थिक दिशा तय करने का सबसे महत्वपूर्ण मंच होता है, लेकिन जब यही मंच हंगामे, नारेबाजी और रणनीतिक अवरोध का अखाड़ा बन जाए, तो सवाल सिर्फ कार्यवाही के ठप होने का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के क्षरण का भी उठता है। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस, प्रश्नकाल का बार-बार स्थगन और विपक्ष का निरंतर विरोध, इसी चिंता को गहरा करता है। इस पूरे परिदृश्य में कांग्रेस की भूमिका पर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है।

लोकसभा में विपक्ष का अधिकार बहस करना, सवाल उठाना और सरकार को जवाबदेह ठहराना है। यह अधिकार संविधान और संसदीय परंपराओं से सुरक्षित है। लेकिन जब यह अधिकार सदन को चलने ही न देने की जिद में बदल जाए, तो यह लोकतंत्र की मजबूती के बजाय उसकी कमजोरी का संकेत बन जाता है। बजट सत्र के लगातार दिनों तक बाधित रहने से आम जनता के मुद्दे, आर्थिक नीतियों पर चर्चा और विकास से जुड़े सवाल पीछे छूट जाते हैं। कांग्रेस, जो स्वयं को लोकतंत्र की प्रहरी बताती है, यदि उसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करती दिखे, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना कोई असाधारण बात नहीं है। संसदीय इतिहास में यह प्रक्रिया पहले भी अपनाई गई है। लेकिन इस कदम का औचित्य तभी बनता है, जब यह संसदीय मर्यादा और ठोस तर्कों के साथ उठाया जाए। मौजूदा मामले में विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं और विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। यदि यह सच है, तो इसका समाधान भी संसदीय संवाद और नियमों के तहत होना चाहिए। सदन के भीतर नारेबाजी, वेल में आकर हंगामा और बार-बार कार्यवाही ठप कराना, किसी भी तरह से समाधान नहीं है।

कांग्रेस का रवैया यहां विरोध से अधिक टकराव का नजर आता है। राहुल गांधी को बोलने देने की मांग को लेकर पूरा सत्र बाधित करना, जबकि देश की आर्थिक नीतियों पर चर्चा लंबित हो, यह दर्शाता है कि पार्टी प्राथमिकताओं को लेकर भ्रमित है। लोकतंत्र में व्यक्ति से बड़ा संस्थान होता है। संसद किसी एक नेता का मंच नहीं, बल्कि 140 करोड़ नागरिकों की आवाज का प्रतिनिधि सदन है। यदि किसी नेता को बोलने में आपत्ति है, तो उसके लिए नियम, अध्यक्ष और संसदीय समितियां मौजूद हैं। सत्र को ही ठप कर देना, लोकतांत्रिक दबाव नहीं, बल्कि राजनीतिक हठधर्मिता है।

कांग्रेस का इतिहास बताता है कि जब वह सत्ता में रही, तब विपक्ष की आवाज को दबाने के आरोप उस पर भी लगे। ऐसे में आज नैतिक ऊंचाई का दावा करना, बिना आत्मालोचना के, खोखला लगता है। संसदीय परंपराएं दोतरफा जिम्मेदारी मांगती हैं। सरकार को विपक्ष की बात सुननी चाहिए, लेकिन विपक्ष का भी कर्तव्य है कि वह सदन की गरिमा बनाए रखे। हाथ जोड़कर बजट पर चर्चा की अपील करना किसी मंत्री की कमजोरी नहीं, बल्कि संसदीय परंपरा को बचाने का प्रयास है। इसके बावजूद हंगामा जारी रहना, कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को उजागर करता है।स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर भी कांग्रेस की रणनीति अस्पष्ट दिखती है। एक ओर प्रस्ताव का नोटिस दिया जाता है, दूसरी ओर प्रमुख नेता खुद उस पर हस्ताक्षर नहीं करते। यह दोहरा संदेश पार्टी की आंतरिक असमंजस को दर्शाता है। यदि स्पीकर सचमुच पक्षपात कर रहे हैं, तो पार्टी को एकजुट और स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए था। लेकिन यहां यह कदम अधिक प्रतीकात्मक विरोध जैसा प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव बनाना है।

संसद में महिला सांसदों के साथ हुई घटनाओं, बैनर और पोस्टर की राजनीति, और पुस्तक विवाद जैसे मुद्दों को जिस तरह तूल दिया गया, उसने मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल दिया। देश महंगाई, रोजगार, वैश्विक व्यापार और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर स्पष्ट बहस चाहता है। लेकिन कांग्रेस का फोकस बार-बार ऐसे विवादों पर रहा, जिनसे सदन का समय नष्ट हुआ। यह रवैया न तो विपक्ष की परिपक्वता दिखाता है और न ही लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता। लोकतंत्र में विरोध जरूरी है, लेकिन रचनात्मक विरोध उससे भी अधिक जरूरी है। कांग्रेस यदि सचमुच जनता की आवाज बनना चाहती है, तो उसे सड़क की राजनीति को संसद के भीतर दोहराने से बचना होगा। संसद संवाद का मंच है, संघर्ष का नहीं। यहां तर्क, तथ्य और नीति से सरकार को घेरा जाता है, न कि शोर और अवरोध से। हर बार सदन ठप कर देना आसान रास्ता हो सकता है, लेकिन इससे न तो जनता का भरोसा बढ़ता है और न ही लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होती हैं।

अंततः सवाल यह नहीं है कि कौन जीता या हारा, बल्कि यह है कि संसद चली या नहीं। बजट सत्र का समय अमूल्य होता है। इसे बाधित कर कांग्रेस ने न सिर्फ सरकार को, बल्कि देश को नुकसान पहुंचाया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सत्ता को असहज करना नहीं, बल्कि उसे जवाबदेह बनाना है। इसके लिए सदन का चलना अनिवार्य है। यदि कांग्रेस इस मूल सिद्धांत को नहीं समझती, तो उसका विरोध लोकतांत्रिक नहीं, बल्कि अवरोधकारी राजनीति के रूप में ही देखा जाएगा।

फिल्म वर्ग पहेली- 7111

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फराह की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा आजे जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोनी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. गोविंदा, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ राजा के गीत 'पीली प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा को आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हम्मा हूं' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक ?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'भावना' की नायिका ?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका ?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की ?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२५. रूमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7110

खबर कोना

मोरक्को में मार्टा तूफान के कारण आई भीषण बाढ़ से चार की मौत

रबात

उत्तरी मोरक्को में अचानक आई बाढ़ के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कई दिनों से यहां भारी बारिश और लबालब भर चुके बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ के हालात बने हुए हैं। ऐसे में लोगों को निकालने के लिए व्यापक स्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। गृह मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया कि राजधानी रबात से करीब 270 किमी दूर स्थित ततुआन गांव में एक कार के बहने से तीन नाबालिगों और 30 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई।

लीबिया में प्रवासियों की नौका डूबने से 53 लोगों की मौत होने की आशंका

काहिरा,

लीबिया में प्रवासियों की नौका डूबने से 53 लोगों की मौत होने या उनके लापता होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र की प्रवासी एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। बेहतर जीवन की तलाश में यूरोप जाने की कोशिश करने वाले लोगों के साथ होने वाली खतरनाक घटनाओं में यह नवीनतम घटना है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासी संगठन ने एक बयान में कहा कि नौका गुरुवार को देर रात लीबिया के पश्चिमी शहर जाविया से 55 अफ्रीकी प्रवासियों को लेकर रवाना हुई थी। बयान में कहा गया है कि लगभग छह घंटे बाद नौका में पानी भरने लगा और शुक्रवार सुबह यह जुवारा कस्बे के पास पलट गई। बयान में कहा गया है कि दो नाइजीरियाई महिलाओं की जान बच गई और लीबियाई अधिकारी उन्हें पानी से बाहर ले आए। जीवित बची एक महिला के पति की मौत हो गई जबकि दूसरी महिला ने कहा कि उसके दो बच्चों की जान चली गई।

पुर्तगाल के राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे चरण में समाजवादी उम्मीदवार ने जीत हासिल की

लिस्बन,

पुर्तगाल के राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे चरण में रविवार को मध्य-वामपंथी समाजवादी उम्मीदवार एंतोनियो जोस सेगुरो ने कट्टर दक्षिणपंथी नेता आंद्रे वेंतुरा को भारी मतों के अंतर से हराया। आधिकारिक नतीजों के अनुसार, 96 फीसद मतों की गिनती पूरी होने तक सेगुरो को 66 फीसद मत मिले, जबकि वेंतुरा को 34 फीसद मत प्राप्त हुए। यह चुनाव वेंतुरा की आक्रामक और बेबाक शैली के लिए समर्थन को परखने का अवसर था। उनकी हाचेगाह्र (इनफ) पार्टी हाल के वर्षों में तेजी से उभरी है और पुर्तगाली संसद में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। लंबे समय से समाजवादी राजनीति में सक्रिय रहे सेगुरो ने खुद को एक उदारवादी उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने वेंतुरा के व्यवस्था-विरोधी और प्रवासी-विरोधी भाषणों को खारिज करते हुए कहा कि वह देश की मध्य-दक्षिणपंथी अल्पमत सरकार के साथ सहयोग करेंगे। उन्हें मुख्यधारा के कई नेताओं का समर्थन मिला।

थाईलैंड : चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी आगे, रुढ़िवादी राजनीति की वापसी का संकेत

बैंकाक,

थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल की सत्तारूढ़ भुमजैथाई पार्टी आम चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतने की ओर अग्रसर है। सोमवार को लगभग 94 फीसद मतदान केंद्रों के परिणाम आने के बाद देश के निर्वाचन आयोग ने अनाधिकारिक परिणामों में यह जानकारी दी। ... रुढ़िवादी दल की पहली निर्णायक जीत मानी जा रही है। रविवार को चुनाव ऐसे समय में हुए जब देश की आर्थिक वृद्धि धीमी और राष्ट्रवादी भावनाएं उफान पर हैं। मतदान लगभग 65 फीसद दर्ज किया, जो 2023 के चुनावों की तुलना में काफी कम है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, 500 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में भुमजैथाई पार्टी को करीब 193 सीटें मिल सकती हैं। सदन में 400 सदस्य प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचन क्षेत्रों से चुने जाते हैं, जबकि 100 सदस्य पार्टी सूची के से मनोनयन प्रणाली के तहत चुने जाते हैं। प्रधानमंत्री के चुनाव के लिए 251 सीटों का साधारण बहुमत आवश्यक होता है।

पाकिस्तान से जंग में उलझे भारत के खिलाफ उतरे चीन............वाशिंगटन पूरा साथ देगा

अमेरिकी प्रेसिडेंट रिचर्ड निक्सन ने खुद दिलाया था चीन को भरोसा

वॉशिंगटन अमेरिका ने चीन को भारत और पाकिस्तान के 1971 के युद्ध में कूदने के लिए उकसाया था। अमेरिका ने चीन से कहा था कि भारत के खिलाफ लड़ाई में वह उसकी हर संभव मदद करेगा। तब अमेरिकी प्रेसिडेंट रिचर्ड निक्सन ने खुद चीन को भरोसा दिलाया था कि अगर उनकी ओर से पाकिस्तान के साथ लड़ाई में उलझे भारत पर हमला होता है, तब चीन का वाशिंगटन पूरा साथ देगा। यह खुलासा रिचर्ड निक्सन की शपथ के साथ दी गई गवाही वाली फाइल से हुआ है। ये फाइलें वॉटरगेट ग्रैंड जूरी रिकॉर्ड के हिस्से के तौर पर बीते पांच दशकों से सील थीं। अब इसके खुलने से पता चलता है कि भारत को रोकने और पाकिस्तान को बचाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के स्तर पर चीन से मदद मांगी गई

थी।अमेरिकी फाइलों से पता चलता है कि निक्सन ने अपनी गवाही में बीजिंग को भरोसे देने का मतलब समझाया था। उन्होंने कहा था, रूस खुलकर भारत को सपोर्ट कर रहा था। दूसरी ओर पाकिस्तान को मदद नहीं मिल रही था क्योंकि हथियारों की शिपमेंट पर रोक थी। इसके बाद अमेरिका ने पाकिस्तान को मोरल सपोर्ट दिया और चीनियों से सीक्रेटली संपर्क साधा। अमेरिकी प्रशासन द्वारा बीजिंग की सत्ता को भरोसा दिया कि चीन के भारतीयों से लड़ने के फैसला का हम सपोर्ट करने वाले है। निक्सन ने इस गवाही में कहा था कि चीन से संपर्क करने और भारत पर हमले के लिए उकसाने का फैसला उनका अपना था। इसके लिए उन्हें उनके किसी मंत्री ने नहीं कहा था। इस सात पेज के डॉक्युमेंट को बहुत संवेदनशील माना गया था। इस प्रॉसिक्यूशन टीम और ग्रैंड जूरी के लोगों तक से दूर रखा गया और सील कर दिया गया।

निक्सन की गवाही कोल्ड वॉर के समय की अमेरिकी सोच को सामने लाती है। अमेरिका दुनिया में ऐसी चीजें करने की कोशिश में था, जिसके गंभीर डिप्लोमैटिक और मिलिट्री नतीजे हो सकते थे। अमेरिका के इशारे पर अगर चीन ने भारत के खिलाफ तब मिलिट्री कार्रवाई कर दी होती तब इसके पूरे क्षेत्र और दुनिया के बड़े हिस्से के लिए बुरे नतीजे होते।भारत की आजादी के बाद अलग देश बना पाकिस्तान दो हिस्सों में था। यह पश्चिमी पाकिस्तान (मौजूदा पाकिस्तान) और पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) था। इसके पूर्वी हिस्से में जल्दी ही आजादी की मांग शुरू हो गई। इसे कुचलने के लिए पाकिस्तानी आर्मी ने 60 के दशक के आखिर में बंगालियों पर भारी अत्याचार शुरू कर दिए। इससे भारत के पड़ोस में भी अस्थिरता फैलने लगी।

भारत ने बांग्लादेश में हलचल का असर देखते हुए इसमें दखल का फैसला लिया। भारत की उस समय की इंदिरा गांधी की सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ मिलिट्री एक्शन किया और 13 दिन में जंग जीतकर अलग देश बांग्लादेश बना दिया। पाकिस्तान तब अमेरिका का फेवरेट था तो भारत के साथ रूस मजबूती से खड़ा था। ऐसे में अमेरिका सिर्फ भारत पर गुस्सा निकालकर रह गया था।

हिमालयी क्षेत्र में कम किया गया 72 टन कार्बन उत्सर्जन : धामी

देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को दून विश्वविद्यालय, देहरादून में डॉ. नित्यानंद की जन्मशताब्दी वर्ष समारोह के उपलक्ष्य पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने सतत हिमालयी पर्यावरण पुरस्कार 2025 -26 से जयेंद्र सिंह राणा एवं संजय सत्यवली को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने डॉ. नित्यानंद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन हिमालय, प्रकृति, समाज और राष्ट्र को समर्पित किया। उनकी सोच, हिमालय की शिखरों जैसी ऊंची और उनका सेवा-भाव हिमालय की घाटियों से भी गहरा था। उनका मानना था कि हिमालय की रक्षा करना, भारतीय सभ्यता और राष्ट्र के भविष्य के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डॉ. नित्यानंद ने विज्ञान को अध्यात्म से, शोध को लोक-जीवन से और चिंतन को राष्ट्रहित से जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने गांवों के सशक्तिकरण के लिए भी आजीवन कार्य किया। वे प्रतिवर्ष अपनी आय से लगभग 40 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करते थे। 1991 में उत्तरकाशी और 1999 में चमोली की आपदा के बाद डॉ. नित्यानंद ने स्वयंसेवकों के साथ मिलकर राहत एवं पुनर्वास कार्यों का माडल प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने डा नित्यानंद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन हिमालय, प्रकृति, समाज और राष्ट्र को समर्पित किया। उनकी सोच, हिमालय के शिखरों जैसी ऊंची थी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने की कुंभ मेला-2027 की तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों से कहा

अक्तूबर तक पूरी करें कुंभ की सभी तैयारियां

देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में कुंभ मेला-2027, हरिद्वार की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुंभ से संबंधित सभी तैयारियों को अक्तूबर माह तक पूरा किया जाए। साथ ही कुंभ की आवश्यकताओं को देखते हुए सभी प्रकार के निर्माण कार्य तय समय के अंदर पूरे हों। सभी निर्माण कार्य की गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

शासन स्तर पर कुंभ से संबंधित कोई भी कार्य अथवा फाइल लंबित न रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि किसी भी कार्य को लंबित रखने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि कुंभ मेले का भव्य दिव्य और सफल आयोजन हो।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नए लोक निर्माण विभाग उत्तराखंड के सचिव को अगले 24 घंटे के अंदर कुंभ मेले के लिए तकनीकी पद के अधिकारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र में बने सभी पुलों का आडिट किया जाए। साथ ही कुंभ क्षेत्र में स्थित सभी घाटों का सौंदर्यकरण और आवश्यकता अनुसार पुनर्निर्माण कार्य भी किया जाए।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए हर की पैड़ी के साथ ही अन्य सभी घाटों में भी स्नान की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाए। सभी प्रमुख स्थानों पर शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था हो।

मुख्यमंत्री ने नए लोक निर्माण विभाग उत्तराखंड के सचिव को अगले 24 घंटे के अंदर कुंभ मेले के लिए तकनीकी पद के अधिकारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र में बने सभी पुलों का आडिट किया जाए। साथ ही कुंभ क्षेत्र में स्थित सभी घाटों का सौंदर्यकरण और आवश्यकता अनुसार पुनर्निर्माण कार्य भी किया जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए हर की पैड़ी के साथ ही अन्य सभी घाटों में भी स्नान की व्यवस्था की जाए।

सम्मान

नई दिल्ली में सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक से पहले गार्ड आफ आनर का निरीक्षण करते ग्रीस के रक्षा मंत्री निकोलाओस जार्जियोस एस डेंडियास।

टोरंटो में भारतीय-कनाडाई व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

ओटावा,

कनाडा के टोरंटो में एक व्यस्त शापिंग सेंटर के पार्किंग स्थल में अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में 37 वर्षीय एक भारतीय-कनाडाई व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस संबंध में रविवार को जारी एक बयान में टोरंटो पुलिस ने मृतक की पहचान ब्रैम्पटन निवासी चंदन कुमार राजा नंदकुमार के रूप में की है।

बयान के अनुसार, शनिवार को दोपहर लगभग 3:31 बजे पुलिस को रेक्सडेल बुलेवार्ड और राजमार्ग 27 पर स्थित वुडबाइन शापिंग सेंटर के पार्किंग स्थल में गोलीबारी की सूचना मिली। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे अधिकारियों को एक व्यक्ति गोली लगने से गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला, जिसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, नंदकुमार मूल रूप से कर्नाटक के निवासी थे और पेशे से आइटी विशेषज्ञ थे। पुलिस ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद संदिग्ध वाहन से फरार हो गए। टोरंटो में यह इस साल की ऐसी तीसरी हत्या है। एक समाचार चैनल के अनुसार घटनास्थल से मिली तस्वीरों में एक सफेद एसयूवी के आगे के शीशों पर गोलियों के निशान हैं। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी की परिस्थितियों और कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन यह एक लक्षित हमला था।

मृतक की पहचान ब्रैम्पटन निवासी चंदन कुमार राजा नंदकुमार के रूप में हुई।

हांगकांग के पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को 20 साल कारावास की सजा

हांगकांग,

हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज एवं चीन के मुखर आलोचक जिमी लाई को सोमवार को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई गई। लाई को चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराया गया था। यह इस कानून के तहत अब तक दी गई सबसे लंबी सजा है। इस कानून ने हांगकांग में असंतोष की आवाजों को लगभग पूरी तरह दबा दिया है।

लाई को विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत कर राजद्रोहपूर्ण लेख प्रकाशित करने की साजिश रचने का दोषी पाया गया। उन पर ह्यएप्पल डेलीह्न के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य लोगों के साथ मिलकर, हांगकांग या चीन के खिलाफ प्रतिबंध लगाने या उनके विरुद्ध अन्य शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल होने का विदेशी ताकतों से आग्रह करने का आरोप लगाया गया है। एक अखबार के संस्थापक लाई (78) को इस मामले में अधिकतम आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती थी।

लाई के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है। उनके सह-आरोपियों को छह साल तीन महीने से लेकर 10 साल कारावास तक की जेल की सजा मिली है। सजा सुनाए जाने के समय लाई मुस्कुराए और अपने समर्थकों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। जब उनसे पूछा गया कि वह इस फैसले को चुनौती देंगेख तो उनके वकील राबर्ट पैंग ने कहा कि वे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते।

इस कानून ने हांगकांग में असंतोष की आवाजों को लगभग पूरी तरह दबा दिया है।

अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत रहे पीटर मैंडलसन और जेफ्री एप्स्टीन के संबंधों के खुलासे का मामला

ब्रिटेन में सियासी संकट, खतरे में स्टार्मर की कुर्सी

लंदन,

अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत रहे पीटर मैंडलसन और अपराधी जेफ्री एप्स्टीन के संबंधों का खुलासा होने के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। वह लेबर पार्टी को मनाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह महज डेढ़ साल के कार्यकाल के बाद उन्हें पद से न हटाए। रविवार को स्टार्मर के मुख्य सचिव को पद से हटा दिया गया। इसके अलावा वह लेबर पार्टी के सांसदों का समर्थन भी खोते जा रहे हैं। वह पार्टी में अपनी खोई हुई साख को फिर से हासिल करने के लिए सोमवार को लेबर पार्टी के सांसदों को संबोधित करेंगे।

यह राजनीतिक विवाद एप्स्टीन से संबंध होने की बात जानते हुए भी मैंडलसन को 2024 में राजनयिक रूप से सबसे अहम देश माने जाने वाले अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत नियुक्त करने के स्टार्मर के फैसले से जुड़ा है। स्टार्मर ने कुछ ईमेल के जरिए मैंडलसन की एप्स्टीन से दोस्ती की बात सामने आने के बाद सितंबर में उन्हें पद से हटा दिया था। ये ईमेल 2008 के यौन उत्पीड़न मामलों में एप्स्टीन को दोषी ठहराए जाने के बाद प्रकाशित हुए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि स्टार्मर को समझ से काम लेते हुए 72 वर्षीय मैंडलसन को नियुक्त नहीं करना चाहिए था, जिनका नाम पहले ही कई विवादों और घोटालों में सामने आ चुका था। अमेरिका में जारी की गई नई एप्स्टीन फाइल में दोनों के संबंधों से जुड़े और अधिक विवरण सामने आए हैं, जिसके बाद स्टार्मर पर दबाव बढ़ गया है। स्टार्मर ने मैंडलसन के झूठ पर यकीन करने के लिए पिछले सप्ताह माफी मांगी थी। उन्होंने मैंडलसन की नियुक्ति से संबंधित दस्तावेज जारी करने का वादा किया था। सरकार का कहना है कि इन दस्तावेजों से पता चलेगा कि मैंडलसन ने किस तरह अधिकारियों को एप्स्टीन से अपने संबंधों के बारे में गुमराह किया था।

स्टार्मर के मुख्य सचिव मार्गन मैकस्वीनी ने मैंडलसन की नियुक्ति की जिम्मेदारी लेते हुए रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री को वह नियुक्ति करने की सलाह दी थी और मैं उस सलाह की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। साल 2020 में स्टार्मर के लेबर पार्टी के नेता बनने के बाद से मैकस्वीनी उनके सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि स्टार्मर को समझ से काम लेते हुए 72 वर्षीय मैंडलसन को नियुक्त नहीं करना चाहिए था, जिनका नाम पहले ही कई विवादों और घोटालों में सामने आ चुका था।

अपराध

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल धोखाधड़ी के जरिए 54 हजार करोड़ रुपए के गबन को पूरी तरह से लूट और डकैती करार दिया, कहा

हितधारकों के साथ चर्चा करके मानक संचालन प्रक्रिया बनाए केंद्र

नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल धोखाधड़ी के जरिए 54 हजार करोड़ रुपए के गबन को पूरी तरह से लूट और डकैती करार देते हुए सोमवार को केंद्र सरकार को ऐसे मामलों से निपटने के लिए आरबीआइ, बैंकों और दूरसंचार विभाग जैसे हितधारकों के साथ चर्चा करके मानक संचालन प्रक्रिया बनाने का निर्देश दिया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी के जरिए गबन की गई धनराशि कई छोटे राज्यों के बजट से अधिक है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बैंकों की यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसे तंत्र विकसित करें, जिनसे ग्राहकों को बड़े और संदिग्ध लेन-देन के बारे में तुरंत सतर्क किया जा सके, खासकर तब जब ग्राहक ऐसे साइबर ठगों के झांसे में आकर लेन-देन कर रहा हो। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि यदि कोई पेंशनभोगी, जो आमतौर पर 10-20 हजार रुपए की निकासी करता है, अचानक 25 लाख, 50 लाख या उससे अधिक की राशि का लेन-देन करता है, तो बैंक को चेतावनी जारी करनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने आरबीआइ और बैंकों की ओर से समय पर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अदालत ने कई नए निर्देश जारी करते हुए गृह मंत्रालय से कहा कि वह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तथा दूरसंचार विभाग की इसी तरह की एसओपी या निर्णयों पर विचार करे और ऐसे अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए चार सप्ताह में एक सहमति पत्र (एमओयू) का मसविदा तैयार करे। पीठ को बताया गया कि आरबीआइ ने साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से रोकने (होल्ड) के संबंध में बैंकों की ओर से की जाने वाली कार्रवाई निर्दिष्ट करते हुए एक एसओपी तैयार की है।

अदालत ने सीबीआइ को 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों की पहचान करने का निर्देश दिया और गुजरात तथा दिल्ली सरकारों से कहा कि वे इन मामलों में जांच के लिए सीबीआइ को आवश्यक स्वीकृति प्रदान करें। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआइ, दूरसंचार विभाग और अन्य संबंधित पक्षों को संयुक्त रूप से एक बैठक आयोजित करके डिजिटल अरेस्ट मामलों में मुआवजा प्रदान करने के लिए एक ढांचा तैयार करने का निर्देश भी दिया। अदालत ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार लोगों को मुआवजा देने के मामलों में व्यावहारिक व उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

अदालत ने याचिका को चार सप्ताह बाद आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। अदालत ने संबंधित प्राधिकरणों से अगली सुनवाई से पहले ताजा स्थिति रपट दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने 16 दिसंबर को केंद्र सरकार से कहा था कि वह डिजिटल अरेस्ट पीड़ितों के लिए मुआवजा सुनिश्चित करने के संबंध में न्यायमित्र के सुझावों पर विचार करे।

कोर्ट ने कहा कि बैंकों की यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसे तंत्र विकसित करें, जिनसे ग्राहकों को बड़े और संदिग्ध लेन-देन के बारे में तुरंत सतर्क किया जा सके, खासकर तब जब ग्राहक ऐसे साइबर ठगों के झांसे में आकर लेन-देन कर रहा हो। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि यदि कोई पेंशनभोगी, जो आमतौर पर 10-20 हजार रुपए की निकासी करता है, अचानक 25 लाख, 50 लाख या उससे अधिक की राशि का लेन-देन करता है, तो बैंक को चेतावनी जारी करनी चाहिए।

रंगसंसार

च्रम्बा होज् गाने की फिर से बढ़ी लोकप्रियता

80 और 90 के दशक में अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री कल्पना अय्यर एक बार फिर चर्चा में हैं। वजह है उनका सुपरहिट गाना च्रम्बा होज्, जो सोशल मीडिया पर नए सिरे से ट्रेंड कर रहा है। 1981 के इस आइकॉनिक सॉन्ग ने एक बार फिर युवाओं के बीच अपनी जगह बना ली है, जिससे कल्पना का नाम फिर सुर्खियों में आ गया है। कल्पना अय्यर च्सत्ते पे सत्ताज्, च्बड़े दिलवालाज् और च्लाडलाज् जैसी कई फिल्मों में अपने खास अंदाज के लिए याद की जाती हैं। लेकिन अपने करियर के सफल दौर में ही उन्होंने मनोरंजन उद्योग से दूरी बना ली थी। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कल्पना ने खुलासा किया कि इंडस्ट्री में उन्हें वह सम्मान और अवसर नहीं मिल रहे थे, जिसकी वह हकदार थीं। उन्होंने बताया कि बार-बार एक ही तरह के रोल ऑफर होने लगे थे, जबकि वह खुद को एक व्यापक दायरे में आजमाना चाहती थीं। साथ ही निजी कारणों ने भी उनके निर्णय को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री छोड़ना उनके लिए मुश्किल था, लेकिन यह फैसला उन्हें मानसिक शांति देने वाला साबित हुआ। आज जब उनका गाना फिर से लोकप्रिय हो रहा है, कल्पना इसे एक सुखद आश्चर्य मानती हैं। वह कहती हैं कि उन्हें खुशी है कि नई पीढ़ी भी उनके काम को पसंद कर रही है।

महिला खुद तय करे रिश्ते की दिशा- शाल्मली खोलगडे

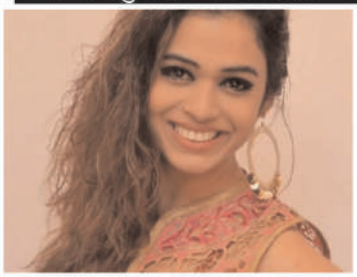

मुंबई । बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में बदलते दौर की मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने इम्प्रेशन में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। परेशान, बलम पिचकारी और लत लग गई जैसे यादगार गानों से पहचान बनाने वाली शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक इम्प्रेशन को लेकर कहा, मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है। म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, इम्प्रेशन मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा।

पुराने समय के गीतों में महिलाओं के लिए भावनात्मक भूमिकाएं पहले से तय रही हैं, जहां इंतजार, तड़प और त्याग को ही प्रेम का पर्याय मान लिया गया था, लेकिन आज की सच्चाई इससे कहीं ज्यादा व्यापक है। शाल्मली ने कहा, अब महिलाएं सिर्फ हालात का इंतजार करने वाली नहीं हैं, बल्कि वे खुद फैसले लेती हैं, नजरों से बात करती हैं और यह तय करती हैं कि रिश्ते की भावनात्मक गति कैसी होगी। इम्प्रेशन इसी सोच को सामने लाता है। फिल्मों में पहले के गानों में महिलाओं को अक्सर इंतजार करती, त्याग करती और भावनाओं में डूबी हुई दिखाया जाता था, वहीं आज के कलाकार नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ सामने आ रहे हैं।

सेलिना जेटली की पीएम मोदी से गुहार

बॉलीवुड अभिनेत्री सेलिना जेटली अपने परिवार की चिंता को लेकर लगातार परेशान हैं। उनका भाई, मेजर विक्रांत जेटली, जो भारतीय सेना के पूर्व स्पेशल फोर्सेज ऑफिसर रह चुके हैं, 2024 से यूएई की जेल में बंद हैं। सेलिना ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुहार लगाते हुए अपने भाई को जल्द से जल्द वापस लाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उनका भाई मॉल ऑफ द अमीरात की पार्किंग से अज्ञात लोगों द्वारा जबरन उठाया गया था, और उनके 9 महीने तक किसी तरह का गिरफ्तारी रिकॉर्ड सामने नहीं आया। सेलिना जेटली के अनुसार, विक्रांत जेटली अपनी पत्नी की कंपनी मटिटी ग्रुप इंटरनेशनल में रिस्क मैनेजमेंट और आईडी से जुड़े क्षेत्रों में काम कर रहे थे। गिरफ्तारी के समय उन्हें केवल एक प्रॉसिक्यूशन नंबर दिया गया था और राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया गया। हालांकि, उनके खिलाफ कोई चार्जशीट दाखिल नहीं की गई और यह स्पष्ट नहीं किया गया कि उन्होंने कोई गलत काम किया था या नहीं। सेलिना ने इंटरव्यु में कहा कि उन्हें यह भी नहीं पता कि उनका भाई वर्तमान में जिंदा है या नहीं। जून 2025 में जानकारी जुटाने पर पता चला कि उन्हें अबू धाबी के अल-वथबा डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

सिद्धार्थ और तमन्ना की केमिस्ट्री ने जीता दिल

फिल्म व्हीव्हीएन अपनी घोषणा के बाद से लगातार चर्चा में बनी हुई है। इसका हालिया टीज़र फिल्म के मिस्टिकल वर्ल्ड और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की झलक दिखाता है। इसी बीच, सेट से सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी की तस्वीर सामने आई, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया। इस तस्वीर में दोनों सितारे फ्रेश, एनर्जेटिक और बेहद प्यारे लग रहे हैं। पहली बार साथ नजर आने वाली यह जोड़ी सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही है। फैंस इस नए जोड़ी के ऑन-स्क्रीन कैमिस्ट्री से बहुत प्रभावित हैं। उनकी गर्मजोशी और आकर्षण साफ झलकता है, जो फिल्म के प्रति उत्साह और बढ़ा रहा है। व्हीव्हीएन के सेट से मिली यह झलक दर्शकों को फिल्म की कहानी और पात्रों के बीच के रिश्ते के लिए और अधिक उत्साहित कर रही है। फिल्म के निर्माता और निर्देशक दोनों ही इसकी टीम को लेकर काफी उम्मीदें जताई हैं। फिल्म के इस बीटीएस मोमेंट ने सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होकर फैंस की उत्सुकता को चरम पर पहुंचा दिया है। सिद्धार्थ और तमन्ना की नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी से उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों के लिए एक अनोखा अनुभव साबित होगी।

संजय और नीना गुप्ता की दर्शकों से अपील

2026 की मोस्ट-अवेटेड थ्रिलर-मिस्ट्री फिल्म वध 2 जल्द ही बड़े पर्दे पर आने वाली है। इस फिल्म में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता ने मुख्य भूमिका निभाई है। रिलीज़ करीब आने के साथ ही दोनों कलाकारों ने दर्शकों से अपील की है कि फिल्म को सिनेमाघरों में देखें। 6 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली इस फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। वध 2 जसपाल सिंह संधू द्वारा लिखी और निर्देशित है, जबकि इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 2025 में 56वें आईएफएफआई में गाला प्रीमियर में भी दिखाई गई थी, जहां इसे जोरदार तालियों से सराहा गया। फिल्म में सस्पेंस, थ्रिलर और रहस्य के मिश्रण के कारण दर्शकों में उत्सुकता अपने चरम पर है। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की अदाकारी ने फिल्म की गंभीरता और आकर्षण को बढ़ाया है। फिल्म के रिलीज़ के साथ ही उम्मीद की जा रही है कि यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच लाएगी और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी।

दैनिक पंचांग

11 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.45 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन	08.18 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.48 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.27 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.40 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.56 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.08 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.19 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.34 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	02.50 बजे से
बजे तक		मकर	04.55 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 42 वा दिन दिशाशूल उत्तर ऋतु शिशिर। विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947 मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) पक्ष कृष्ण तिथि नवमी 09.59 बजे को समाप्त। नक्षत्र अनुराधा 10.53 बजे को समाप्त। योग व्याघात 02.30 बजे रात्र को समाप्त। करण गर 09.59 बजे तदनन्तर वणिज 23.13 बजे को समाप्त। चन्द्रायु 23.2 घण्टे रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 06' सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872617 जूलियन दिन 2461082.5 कलियुग संवत् 5126 कल्पारंभ संवत् 1972949123 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123 वीरनिर्वाण संवत् 2552 हिजरी सन् 1447 महीना साबान तारीख 22 विशेष पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

मोदी डरे हुए हैं, ट्रम्प से डील

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है, प्रधानमंत्री डरे हुए हैं।अडानी के ऊपर अमेरिका में केस है।अडानी को बचाने के लिए मोदी ने अमेरिका के साथ डील कर देश को बेच दिया है। किसानों के साथ धोखा किया है। यह सब इसलिए हो रहा है, प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज कर रहे हैं।ऐसा लगता है, विपक्ष आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में है। यह सरकार से डर नहीं रहा उल्टा सरकार को डरा रहा है।

मणिपुर में बनी भाजपा की सरकार

राष्ट्रपति शासन के 1 साल पूरे होने के पहले ही भाजपा ने सरकार का गठन कर लिया है। मणिपुर में मैतई समुदाय के खेमचंद सिंह को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई है। वहीं दो उप मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। जिसमें एक कुकी समुदाय से तथा एक महिला को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। 12 फरवरी को राष्ट्रपति शासन खत्म होने जा रहा था। उसके पहले सरकार की शपथ हो जाने से मणिपुर में मेतई और कुकी समुदाय के बीच समन्वय बनेगा। यह संभावना व्यक्त की जा रही है।

वोटरों को हटाने का षड्यंत्र

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के ऊपर जबरदस्त हमला किया है। उन्होंने कहा, एसआईआर का उपयोग मतदाताओं के नाम हटाने के लिए किया जा रहा है। यही बात उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में आंकड़ों के साथ पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए कहा। ममता बनर्जी ने कहा, जो जिंदा है,

पहले दिन वध 2 ने किया 50 लाख रुपए का कलेक्शन

बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्म वध 2 ने पहले दिन शानदार ओपनिंग की, वहीं भाभीजी घर पर हैं पिछड़ गई। दोनों फिल्मों वध 2 और भाभीजी घर पर है! साथ में रीलिज हुई। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, वध 2 ने पहले दिन लगभग 50 लाख रुपए का कलेक्शन किया है, जबकि भाभीजी घर पर हैं केवल 25 लाख रुपए ही जुटा पाई।

वध 2 फिल्म पिछले साल की हिट क्राइम-थ्रिलर वध का सीक्वल है। कहानी एक ऐसे पुलिस अधिकारी शंभू नाथ मिश्रा (संजय मिश्रा) और उनकी पत्नी मंजू (नीना गुप्ता) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो लंबे समय से जेल की सजा काट रहे हैं। शंभू नाथ अपने बेटे की पढ़ाई और कर्ज चुकाने के लिए जेल से सब्जियां चोरी कर बेचता है, जबकि मंजू का जीवन जेल में बीत रहा है। कहानी में जेल की नई परिस्थितियों, भ्रष्टाचार और जातिवाद की झलक भी है। फिल्म में जेल के बिगड़ैल कैदी केशव (अक्षय डोगरा) और महिला कैदी नैना (योगिता बिहानी) के बीच संबंध और घटनाओं की जटिलता कहानी को आगे बढ़ाती है। निर्देशक जसपाल सिंह संधू ने इसे बेहद संवेदनशील अंदाज में पेश किया है। कहानी ट्विस्ट और सस्पेंस के जरिए दर्शकों को बांधे रखती है। वहीं, भाभीजी घर पर हैं! की बात करें, तो यह टीवी के लंबे समय से पॉपुलर सिटकॉम पर आधारित है। इसमें अंगूरी भाभी, विभूति मिश्रा, तिवारी और अनीता जैसे किरदार शामिल हैं। फिल्म की शुरुआत टीवी सीरियल के परिचित किरदारों से होती है। कहानी में दिखाया गया है कि विभूति मिश्रा (आसिफ शेख) अपनी पड़ोसी अंगूरी भाभी (शुभांगी अत्रे) को उत्तराखंड लेकर आता है। विभूति और तिवारी हमेशा एक-दूसरे की पत्नियों पर नजर रखते हैं, जैसे सीरियल में दिखाया गया है, लेकिन फिल्म में इसे बड़ा और ज्यादा ड्रामेटिक तरीके से पेश किया गया है। इसी बीच कहानी में कुछ नए किरदार जुड़ते हैं। शांति (रवि किशन) एक दबंग व्यक्ति है, जो अंगूरी भाभी पर दिल हार बैठता है।

हरित ऊर्जा : सस्ती, फिर भी खरीदारों तक पहुंच की चुनौती

भारत में सबसे सस्ती स्वच्छ ऊर्जा तैयार है, लेकिन खरीदार अभी पीछे हैं। बिजली के क्षेत्र में भारत दशकों तक उत्पादन की कमी और उचित दाम की समस्याओं से जूझता रहा। हालांकि, इस दौरान विद्युत क्षेत्र में कुछ जटिल और महत्त्वाकांक्षी सुधार भी हुए। आज हम हर साल 40 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ते हैं जो ज्यादातर विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं अधिक है, और सस्ती भी। अब लक्ष्य है बाजारों, संस्थानों और मांग को व्यवस्थित करना।

लगभग 42 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता नीलामी के जरिए निर्धारित होने के बावजूद अवशोषण एक चुनौती बन रहा है। वितरण कंपनियां अतिरिक्त स्वच्छ ऊर्जा प्रतिबद्धताओं के प्रति सतर्क हैं। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा की गति बनाए रखने के लिए, खरीदारों की संख्या बढ़ानी होगी।

दो संरचनात्मक बदलावों से यह संभव हो सकता है। पहला कारण, अक्षय ऊर्जा की कीमतों में गिरावट है। सौर ऊर्जा और इनके भंडारण का खर्च औसतन लगभग तीन रुपए प्रति यूनिट माना जाता है। ये कीमतें 12 से 25 साल तक नाममात्र रूप में स्थिर रही हैं। ये परियोजनाएं चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति इसी कीमत पर दे सकती हैं। दूसरा कारक संस्थागत सुधार का परिणाम है। बड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ता सिर्फ नेटवर्क फीस का भुगतान करके पूरे देश में कहीं से भी बिजली खरीद सकते हैं। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि का लगभग एक चौथाई हिस्सा अब इससे संचालित होता है। यह बदलाव उपयोगिताओं को मजबूत ग्रिड और विश्वसनीयता मंच में विकसित होने की अनुमति देगा, जबकि नई मांग कम लागत वाली स्वच्छ ऊर्जा की खपत करेगी।

सवाल है कि नई मांग कहां से आएगी? पहला रास्ता यह है कि औद्योगिक उत्पादन केंद्र, निर्यात-उन्मुख उद्योग और डेटा केंद्र खुले तौर पर या व्यक्तिगत इस्तेमाल वाले संयंत्रों के जरिए स्वच्छ बिजली प्राप्त कर सकते हैं। इससे दीर्घकालिक लागत प्राति की निश्चितता मिलती है और बड़ी मात्रा में नई क्षमता को समायोजित किया जा सकता है। दूसरा, भारत की औद्योगिक ऊर्जा मांग का लगभग आधा हिस्सा उन संयंत्रों के लिए है, जिसमें बड़ी मात्रा आयातित तेल और गैस से आती है। तीसरा रास्ता यह है कि उर्वरक और इस्पात महत्त्वपूर्ण क्षेत्र हैं, लेकिन ये भी आयातित गैस और कोकिंग कोयले पर निर्भर हैं। हाल में हुई हरित अमोनिया नीलामी से पता चलता है कि स्वच्छ बिजली का इस्तेमाल करके उर्वरक उत्पादन में लागत कम आती है। लागत में लगातार गिरावट के साथ, हरित इस्पात एक समान मार्ग अपना सकता है। चौथा रास्ता यह है कि बसों, ट्रकों या मालवाहक बेड़ों का विद्युतीकरण घरेलू स्वच्छ ऊर्जा के लिए एक बड़ा और लचीला मांग स्रोत पैदा कर सकता है। पांचवां- वाणिज्यिक भवनों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और घरों की छतों पर लगे सौर ऊर्जा के बिलों को कम करता है। इससे बिजली का नुकसान और सबसिडी का बोझ कम होता है।

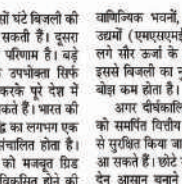

अगर दीर्घकालिक स्वच्छ ऊर्जा अनुबंधों को समर्पित वित्तीय मंच और तंत्र के माध्यम से सुरक्षित किया जाए, तो बड़े खरीदार तेजी से आ सकते हैं। छोटे उपभोक्ताओं के लिए लेन-देन आसान बनाने के लिए इंडिया स्टैक से जुड़े फिनटेक उत्पादों की जरूरत होगी।

भारत की पहल

भारत ने कई हरित पहल शुरू किए हैं। वर्तमान समय में वह चीन, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका और यूरोपियन संघ के बाद दुनिया का चौथा सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश है। भारत का लक्ष्य है वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से 50 फीसद बिजली और 2070 तक शुद्ध शून्य के आंकड़े को प्राप्त करना। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष पांच मिलियन मीट्रिक टन क्षमता का उत्पादन हो सकता है।

हिमालय : हर साल घट रहा 2,400 करोड़ टन भूजल

हिमालयी क्षेत्र में जिस तरह से भूजल गायब हो रहा है उसकी वजह से भारत सहित क्षेत्र के कई अन्य देशों पर जल संकट बढ़ सकता है। हिमालय को एशिया की जल जीवनरेखा कहा जाता है। यह सूख रहा है। उपग्रह से किए गए अध्ययन के अनुसार, एशिया के ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में हर साल 2,420 करोड़ टन भूजल गायब हो रहा है।

सबसे ज्यादा गिरावट उन निचले इलाकों में दर्ज की गई जहां आबादी घनी है और सिंचाई का भारी दबाव है। इनमें गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन, सिंधु बेसिन और अमू दरिया बेसिन जैसे क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि इसके उलट कुछ ऊंचाई वाले आंतरिक क्षेत्रों में भूजल के स्तर में थोड़ी बढ़त भी देखी गई है।

जाहिर है, जिस हिमालय को सदियों से पानी का अटूट स्रोत माना जाता रहा है, वहां अब भूजल का खजाना तेजी से खाली हो रहा है। वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि यह संकट करोड़ों लोगों की कृषि, पीने के पानी और पर्यावरणीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकता है, क्योंकि यहीं से निकलने वाला पानी भारत समेत दर्जनों देशों की नदियों, खेती और करोड़ों लोगों की जीवनरेखा है। हर साल करीब 2,420 करोड़ टन की दर से भूजल में गिरावट आने वाले वर्षों में भारत सहित दक्षिण और मध्य एशिया के कई देशों के लिए बड़ा संकट बन सकती है।

यह अध्ययन चीन की 'एकेडमी आफ साइंसेज' के 'एअरोस्पेस इंफार्मेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट' के प्रोफेसर वांग शुडोंग के नेतृत्व में किया गया है। इसके नतीजे प्रतिष्ठित जर्नल 'एनवायरमेंटल रिसर्च लेटर्स' में प्रकाशित हुए हैं। वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित नए माडल के जरिए अध्ययन किया है।

इस माडल में कई स्रोतों से मिले उपग्रह के आंकड़े, पृथ्वी प्रणाली के माडल और कृत्रिम मेधा के जरिए वैज्ञानिकों ने पिछले 20 वर्षों (2003-2020) में भूजल में बदलावों का विश्लेषण किया है। इससे न केवल भूजल में गिरावट की तस्वीर सामने आई, बल्कि इसके पीछे के मुख्य कारण भी स्पष्ट हुए हैं।

अध्ययन में पाया गया कि एशिया के ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों के करीब दो-तिहाई हिस्से में भूजल लगातार घटा है। सबसे ज्यादा गिरावट उन निचले इलाकों में दर्ज की गई जहां आबादी घनी है और सिंचाई का भारी दबाव है। इनमें गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन, सिंधु बेसिन और अमू दरिया बेसिन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

भूजल में बदलाव के पीछे करीब आधा योगदान जलवायु कारकों का है। इसमें हिमनदों और बर्फीले क्षेत्रों (क्रायोस्फीयर) की भूमिका अहम है। बढ़ते तपमान के साथ ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि मानव गतिविधियां, खासकर सिंचाई के लिए पानी की बेतहाशा होता दोहन, भूजल संकट को लगातार बढ़ा रहा हैं।

अगर पानी के इस्तेमाल की मौजूदा आदतें और नीतियां नहीं बदली गईं, तो भूजल में गिरावट आगे भी जारी रहेगी। हिमनदों के पिघलने से 2060 के आसपास कुछ इलाकों में भूजल में आ रही गिरावट थोड़े समय के लिए धीमा हो सकती है। लेकिन यह राहत स्थाई नहीं होगी। इसके बाद भूजल के स्तर में गिरावट और तेज हो सकती है, जिससे निचले इलाकों के कृषि क्षेत्रों पर भारी संकट मंडराने लगेगा। शोधकर्ताओं ने अपने निष्कर्षों की पुष्टि हजारों भूजल कुओं के वास्तविक माप और स्वतंत्र आंकड़ों से भी की है, जिससे अध्ययन की विश्वसनीयता और मजबूत हो जाती है।

चीन की 'एकेडमी आफ साइंसेज' के 'एअरोस्पेस इंफार्मेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट' के प्रोफेसर वांग शुडोंग के नेतृत्व में किए गए अध्ययन के नतीजे प्रतिष्ठित जर्नल 'एनवायरमेंटल रिसर्च लेटर्स' में प्रकाशित हुए हैं। वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित नए माडल के जरिए अध्ययन किया है। जिस हिमालय को सदियों से पानी का अटूट स्रोत माना जाता रहा है, वहां अब भूजल का खजाना तेजी से खाली हो रहा है।

(फाइल फोटो)

परमाणु हथियार : वैश्विक समझौते की अवधि खत्म

अमेरिका और रूस नई परमाणु हथियार नियंत्रण संधि पर बातचीत के लिए सहमत हुए हैं। दोनों देशों के बीच परमाणु हथियार नियंत्रण से जुड़ा आखिरी समझौता, 2010 में 'न्यू स्टार्ट' संधि के रूप में हुआ था। पांच फरवरी 2026 को इसकी समयसीमा पूरी हो गई, या दूसरे शब्दों में कहें तो इसकी अवधि पूरी हो गई।

वर्ष 1970 के दशक के बाद यह पहला मौका है जब दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के बीच हथियार नियंत्रण पर कोई संधि नहीं है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि इसमें चीन को भी शामिल किया जाए। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संकेत दिए हैं कि अगर अमेरिका, 'न्यू स्टार्ट' संधि के खत्म होने के बाद भी उससे जुड़े वादे निभाता है तो रूस भी ऐसा ही करेगा। इसके बाद जिनेवा में हथियारों से जुड़े सम्मेलन को संबोधित करते हुए एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि भविष्य की संधि में चीन को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने चीन पर गुपचुप तरीके से परमाणु परीक्षण जारी रखने का आरोप भी लगाया। चीनी विदेश मंत्रालय ने भविष्य की किसी संधि में चीन के शामिल होने से स्पष्ट इनकार किया।

इस बीच, सिपरी की रपट कहती है कि दुनिया के कुल नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों में से लगभग सभी ने अपने परमाणु हथियारों को बेहतर बनाने का काम तेज कर दिया है। स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) हर साल हथियारों, निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की स्थिति का आकलन करता है। साल 2025 की अपनी रपट में उसने बताया है कि 1980 के मध्य में दुनिया भर में परमाणु हथियारों की संख्या लगभग 64,000 थी, जो कि अब घटकर करीब 12,241 हो गई है। यह गिरावट अब रुकने की कगार पर है और भविष्य में संख्या फिर से बढ़ सकती है।

खबर कोना

इटली : मिलानो कोर्टिना ओलंपिक में संयुक्त डाउनहिल प्रतियोगिता में भाग लेते इटली के मटिया कैस।

सीनियर वर्ग में एन अजीत ने किया नया रिकार्ड कायम

मोदीनगर,

रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के एन अजीत ने आइडब्ल्यूएलएफ राष्ट्रीय युवा, जूनियर और सीनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में पुरुषों के 71 किलो सीनियर वर्ग में 32 किलो वजन उठाकर स्नैच का नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया। अजीत ने स्नैच में 145 किलो और क्लीन एंड जर्क में 175 किलो वजन उठाया। आरएसपीबी के टी माधवन 317 किलो वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहे। महाराष्ट्र के यश खंडागले को कांस्य पदक मिला।

फुटबाल : इंटर मिलान ने सासुओलो को हराकर सिरी ए के शीर्ष पर

रोम,

इंटर मिलान ने दस खिलाड़ियों के साथ खेल रहे सासुओलो को रविवार को 5-0 से हराकर सिरी ए फुटबाल टूर्नामेंट में अपनी बढ़त आठ अंक कर ली। यान बिसेक और मार्कस थुराम ने इंटर के लिए पहले हाफ में जबकि लोटारो मार्टिनेज, मैनुअल अकांजी और लुइ हेनरिक ने दूसरे हाफ में गोल दागे। इस जीत से इंटर मिलान के 24 मैच में 58 अंक हो गए हैं। एसी मिलान की टीम 23 मैच में 50 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। टीम मिलाना कोर्टिना ओलंपिक के कारण इस सप्ताहांत नहीं खेली। इंटर मिलान की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांचवीं जीत है।

हैलेंड के गोल से मैनचेस्टर सिटी ने लीवरपूल को हराया

लंदन,

एर्लिंग हैलेंड के अंतिम लम्हों में पेनल्टी पर दागे गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट में लीवरपूल को 2-1 से हराकर खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। नार्वे के हैलेंड ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में गोल दागकर रविवार को अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। मैनचेस्टर सिटी की टीम 25 मैच में 50 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। अब उसके और शीर्ष पर चल रहे आर्सनल के बीच छह अंक का अंतर है। लीवरपूल को 74वें मिनट में डोमीनिक जोबोज्लाई ने बढ़त दिलाई थी जिसके बाद बर्नार्डो सिल्वा ने स्कोर 1-1 कर दिया।

नीरज ने पेशेवर प्रतियोगिता शुरू करने के लिए आइआइएस से हाथ मिलाया

नई दिल्ली,

भारतीय मुक्केबाज नीरज गोयत ने देश के मुक्केबाजों के लिए 'इंडिया नाकआउट नाइट्स' शुरू करने के इरादे से बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट के साथ हाथ मिलाया है। यह प्रतियोगिता 25 फरवरी से शुरू होगी। तीन बार के डब्ल्यूबीसी एशियाई खिताब विजेता गोयत को इस पहल के लिए निशांत देव का समर्थन मिला है जो अब पेशेवर सर्किट में खेलते हैं। आयोजकों ने कहा है कि 'इंडिया नाकआउट नाइट्स' को कई शहरों पर आधारित पेशेवर मुक्केबाजी लीग के रूप में तैयार किया गया है।

टी20 विश्वकप : बास डे लीडे के ऑलराउंड प्रदर्शन से नीदरलैंड ने नामीबिया को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली बास डे लीडे के अच्छे प्रदर्शन से नीदरलैंड ने यहां खेले गये टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में नामीबिया को 7 विकेट से हराया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया ने 8 विकेट पर 156 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले 157 रनों के लक्ष्य को नीदरलैंड ने 18 ओवरों में ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए डच टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और मैक्स ओ डाउद के केवल 7 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए आये बास डे लीडे ने 48 गेंद पर 4 छक्कों और 5 चौकों की सहायता से नाबाद 72 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी। लीडे ने दूसरे विकेट के लिए माइकल लेविट 28 रनों के साथ ही 30 और तीसरे विकेट के लिए कोलिन एकरमैन 32 के साथ 68 रन की साझेदारी बनायी। इसके अलावा लीडे ने कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के साथ 43 रन बनाये। स्कॉट 18 रन बनाकर आउट नहीं हुए। नीदरलैंड ने 18 ओर में 3 विकेट पर 159 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। वहीं इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए

नामीबिया की ओर से निकोल लोफ्टी-ईटन ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाये। 38 गेंदों की अपनी इस पारी में निकोल ने 2 छक्के और 1 चौका लगाया था। इसके अलावा जान फ्राइलिंक ने 30 और जेजे स्मिट ने 22 रन बनाये। कप्तान गेरहर्ड इरासमस ने 18 रन बनाए थे। डच टीम की ओर से डे लीडे और लोगान

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने के लिए तैयार होने पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया है। पाक सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में होने वो इस मैच का पहले बहिष्कार करने का फैसला किया था पर श्रीलंकाई राष्ट्रपति के अनुरोध और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के दबाव में उसने ये फैसला बदल दिया है।

दिसानायके ने पाक प्रधानमंत्री को एक पत्र भेजकर याद दिलाया था कि श्रीलंका ने कठिन हालातों में भी उसका साथ दिया था। जब कोई टीम दौरा नहीं कर रही थी तब वह पाक के दौरे पर पहुंची थी। इसी के बाद पाक सरकार ने पहले अपने फैसले से पलटते हुए अब अपनी पुरुष क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ तय मैच खेलने की अनुमति दे दी है। यह मैच 15 फरवरी 2026 को खेला जाएगा। दिसानायके ने सोशल मीडिया में लिखा कि वह खुश हैं कि क्रिकेट का यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला अपने तय कार्यक्रम के अनुसार खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला यह अहम मैच कोलंबो में ही होगा।

उन्होंने ये भी लिखा कि जिस खेल से हम सभी प्यार करते हैं, वह चलता रहे।

उन्होंने साथ ही कहा, टूर्नामेंट के सह आयोजक के तौर पर, श्रीलंका आईसीसी और सभी संबंधित लोगों को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देता है।

इससे पहले पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के विरोध में भारत के खिलाफ मैच न खेलने का संकेत दिया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत से अपने मैच श्रीलंका कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया था। पाकिस्तान की बहिष्कार की धमकी पर आईसीसी ने कड़ा रुख अपनाते हुए उसकी सभी शर्तें खारिज कर दी थीं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी पाक से र श्रीलंका सरकार ने पाकिस्तान से अपना फैसला बदलने की अपील की थी।

इन अपीलों के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान की टीम को मैच खेलने की हरी झंडी दे दी। पाकिस्तान सरकार ने साफ किया कि बांग्लादेश और श्रीलंका के अनुरोध को देखते हुए यह अनुमति दी गई है। उसके एक बयान में कहा गया, कई देशों की बातचीत में मिले परिणामों और मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, पाकिस्तान सरकार राष्ट्रीय टीम को मैदान में उतरने का निर्देश देती है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड

शाम 7:00 बजे शुरू होगा मैच

मुंबई (ईएमएस)। इंग्लैंड की टीम बुधवार को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले मैच में नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बाद भी केवल 4 रनों से ही जीत मिली थी। ऐसे में उसका लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। उसके लिए ये इतना भी कठिन नहीं है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भी काफी कमजोर है और उसके खिलाड़ी लय में नहीं हैं।

टी20 में हालांकि किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है। हैरी ब्रुक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के पास सैम करन जैसे अच्छा गेंदबाज है। नेपाल के खिलाफ सैम ने अंतिम ओवर में केवल 5 रन ही देकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अंतिम ओवर में लाइन और लेंथ से नेपाल के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में अपना रन औसत भी बेहतर करना चाहेगी। नेपाल के खिलाफ जीत के बाद भी उसका औसत 0.200 है और वह तीसरे स्थान पर है जबकि स्कॉटलैंड दो अंकों और 0.950 के नेट रन औसत के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं वेस्टइंडीज के भी दो अंक हैं और उसका नेट रन औसत 1.750 है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज जानता है कि इस मैच में उसे हर हाल में जीतना होगा।

वानखेड़े स्टेडियम में छोटी बाउंड्री से भी इस मैच में रनों को बनाना आसान रहेगा। वेस्टइंडीज ने अपने पहले मैच में शिमरोन हेटमायर के अर्धशतक 64 रनों के अलावा रोमारियो शेफर्ड के पांच विकेटों की सहायता से स्कॉटलैंड को हराया था पर उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में अगर उसे इस मैच में जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन (विकेटकीपर), फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग।

वेस्टइंडीज: शाई होप (कप्तान एवं विकेटकीपर), जॉनसन चार्ल्स (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेज, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्डे, अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, जेडन सील्स।

मुकाबला

अमेरिका: एनबीए बास्केटबाल मैच में लास एंजिलिस क्लिपर्स के कावही लियोनार्ड (बाएं) से संघर्ष करते मिनेसोटा टिम्बरवाल्व्स के आयो डोसुनमु।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआइ सत्र शुरू, 126 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

गोल्फ

नई दिल्ली,

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआइ (प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया) सत्र का दूसरा टूर्नामेंट दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट में कुल 126 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। पूर्व आर्डर आफ मेरिट विजेता वीर अहलावत, ओम प्रकाश चौहान और मनु गंदास भी टूर्नामेंट में शामिल हैं।

पिछले साल पीजीटीआइ पर दो-दो जीत दर्ज करने वाले अंगद चीमा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो जीत हासिल करने वाले अजीतेश संधु और 2026 क्वालीफाइंग स्कूल विजेता शुभम जगलान भी मैदान में हैं। विदेशी खिलाड़ियों में श्रीलंका के एन थंगाराजा प्रमुख नाम हैं, जिन्होंने पिछले साल पीजीटीआइ पर तीन खिताब जीते। दिल्ली के प्रतिनिधि अर्जुन प्रसाद, क्षितिज नवेद कौल, राशिद खान और शमीम खान जैसे विजेता भी घरेलू मैदान पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। पीजीटीआइ के अध्यक्ष कपिल देव ने कहा, 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआइ सत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा और रोमांच की उम्मीद है। पीजीटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल ने कहा, इस टूर्नामेंट से भारतीय खिलाड़ियों को विकास और प्रगति का मंच मिलेगा। यह साझेदारी विश्व स्तर पर ध्यान आकर्षित कर भारत को एलीट गोल्फ प्रतियोगिता का प्रमुख गंतव्य बना रही है।

कपिल देव ने कहा कि 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआइ सत्र मे कड़ी प्रतिस्पर्धा और रोमांच की उम्मीद है।

बेनेट की नाबाद पारी से जिम्बाब्वे ने ओमान को आठ विकेट से हराया

कोलंबो,

ब्लेसिंग मुजरबानी की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद ब्रायन बेनेट की 36 गेंद में नाबाद 48 रन की पारी से जिम्बाब्वे ने आइसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां 45 गेंद शेष रहते ओमान को आठ विकेट से शिकस्त दी।

ओमान को 103 रन पर आउट करने के बाद जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 106 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। मुजरबानी ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लेते हुए ओमान के शीर्ष क्रम को झकझोरा। उन्हें रिचर्ड नगारवा का (चार ओवर में 17 रन पर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रैड इवांस ने 3.5 ओवर में 18 रन पर तीन विकेट लेते हुए जिम्बाब्वे के निचले क्रम को आउट किया। ओमान ने 27 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे और टीम पर काफी कम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था।

टी20 विश्व कप

दक्षिण अफ्रीका ने कनाडा के खिलाफ चार विकेट पर 213 रन बनाए

अहमदाबाद, 9 फरवरी (भाषा)।

कप्तान एडेन माक्ररम के 32 गेंद में 59 रन की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने कनाडा के खिलाफ टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में सोमवार को चार विकेट पर 213 रन बनाए। माक्ररम के अलावा रियान रिकेलटन ने 33, ट्रिस्टन स्टब्स ने 34 और डेविड मिलर ने 39 रन का योगदान दिया। कनाडा के लिए अंश पटेल ने तीन विकेट लिए।

दिल्ली में आज टी20 विश्व कप का पहला मैच

अरुण जेटली स्टेडियम में भिड़ेगी नामीबिया व नीदरलैंड की टीम

नई दिल्ली,

नीदरलैंड बनाम नामीबिया का मुकाबला आज सुबह ग्यारह बजे से नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

आइसीसी टी20 विश्व कप का यह दसवां मैच होगा, पर राजधानी में पहला मैच मंगलवार को खेला जाएगा। नीदरलैंड के हरफनमौला कालिन एकरमैन ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि टीम अब आगे की ओर देख रही है, जहां जवाबदेही और सीखने की संस्कृति उनकी ताकत है। टीम के सभी खिलाड़ी अपने प्रदर्शन और भूमिका की जिम्मेदारी खुद लेते हैं। एकरमैन ने जोर देकर कहा कि यह मैच नामीबिया के खिलाफ है, जो दोनों टीमों के लिए विश्व कप की शुरुआती दिशा तय कर सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ नीदरलैंड ने 147 रन बनाए, जहां बल्लेबाजी क्रम में योगदान बंटा हुआ था।

क्रिकेट

स्काटलैंड ने जीत से खाता खोला

जीत की खुशी मनाते स्काटलैंड के खिलाड़ी।

कोलकाता, 9 फरवरी (भाषा)।

स्काटलैंड ने आइसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप सी मैच में सोमवार को यहां इटली को 73 रन से रौंदकर पहली जीत दर्ज की। स्काटलैंड के 208 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम लीस्क के करिअर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने बेन मानेंती (52) के अर्धशतक और हैरी मानेंती (37) के साथ उनकी चौथे विकेट की 73 रन की साझेदारी के बावजूद 134 रन पर सिमट गई।

पुलिस का कड़ा पहरा : अशोक शर्मा

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के सचिव अशोक शर्मा ने कहा, स्टेडियम में खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। मैदान, मुख्य गेट और स्टैंड पर आइसीसी के नियमों के अनुसार पूरी व्यवस्था है, जिससे किसी भी व्यक्ति को स्टेडियम के अंदर समस्या नहीं हो। मैच से पहले दिल्ली पुलिस के साथ खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा पर क्रिकेट संघ की तीन बैठक हो चुकी हैं, जिससे किसी भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं हो।

विश्व टूर में बदलाव से भारत को झटका | बीडब्ल्यूएफ | सैयद मोदी टूर्नामेंट का दर्जा घटा

देश में आयोजनों की संख्या घटकर दो हुई

कुआलालंपुर,

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) द्वारा सोमवार को घोषित भविष्य के कार्यक्रम में भारत को बड़ा झटका लगा है क्योंकि देश में होने वाले आयोजनों की संख्या चार से घटाकर दो कर दी गई है जिसमें इस साल आयोजन संबंधी समस्याओं के बावजूद इंडिया ओपन ने अपना सुपर 750 दर्जा बरकरार रखा है लेकिन सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 का दर्जा घटाकर सुपर 100 कर दिया गया।

विश्व टूर कार्यक्रम से जिन टूर्नामेंटों को हटाया गया है उनमें गुवाहाटी और ओड़ीशा में आयोजित सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को 2023 में शुरू किया गया था। लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय का आयोजन राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन सैयद मोदी की स्मृति में होता है। यह साल 2018 से विश्व टूर सुपर 300 स्तर का टूर्नामेंट रहा है। 2009 में ग्रां प्री टूर्नामेंट के रूप में शुरू हुआ यह आयोजन अब अगले सत्र से सर्किट में शामिल आठ सुपर 100 टूर्नामेंटों में से एक होगा।

संजय मित्रा ने कहा कि पिछली बार विश्व टूर टूर्नामेंटों के लिए 32 देशों ने आवेदन किया था। इस बार 56 देशों ने आवेदन किया है। स्वाभाविक रूप से टूर्नामेंट की संख्या सीमित है, इसलिए बीडब्ल्यूएफ खेल को नए क्षेत्रों तक ले जाना चाहता है। चीन को भी सिर्फ तीन टूर्नामेंट मिले हैं।

विश्व टूर कार्यक्रम से जिन टूर्नामेंटों को हटाया गया है उनमें गुवाहाटी और ओड़ीशा में आयोजित सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को 2023 में शुरू किया गया था।

इंडिया ओपन ने अपना सुपर 750 दर्जा बरकरार रखा है लेकिन सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 का दर्जा घटाकर सुपर 100 कर दिया गया।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआइ) के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा कि पिछली बार विश्व टूर टूर्नामेंटों के लिए 32 देशों ने आवेदन किया था। इस बार 56 देशों ने आवेदन किया है। स्वाभाविक रूप से टूर्नामेंट की संख्या सीमित है, इसलिए बीडब्ल्यूएफ खेल को नए क्षेत्रों तक ले जाना चाहता है। उन्होंने कहा कि चीन को भी सिर्फ तीन टूर्नामेंट मिले हैं।

हमने बीडब्ल्यूएफ से कहा था कि हम उन टूर्नामेंट की मेजबानी जारी रखना चाहते है, जिन्हें हम पहले से आयोजित करते आ रहे हैं। बीडब्ल्यूएफ के पास हालांकि बहुत ज्यादा अनुरोध थे और वे चाहते थे कि अधिक संख्या में देश विश्व टूर स्तर के टूर्नामेंट की मेजबानी करें। छोटे देश सुपर 100 जैसे टूर्नामेंट आसानी से आयोजित कर सकते हैं क्योंकि इसमें कम राशि की जरूरत होती है। मिश्रा ने आगे कहा कि हमें एक सुपर 100 टूर्नामेंट मिल रहा था, इसलिए हमने सोचा कि इसे लखनऊ में आयोजित करना बेहतर रहेगा, क्योंकि सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय हमारे सबसे पुराने टूर्नामेंटों में से एक है।

मानसिक स्वास्थ्य व डोपिंग-विरोधी सुरक्षा ओलंपिक अकादमी की प्राथमिकता

नई दिल्ली,

भारतीय ओलंपिक संघ ने सोमवार को कहा कि खिलाड़ियों के लिए लांच की गई राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी की प्राथमिकता मानसिक स्वास्थ्य, डोपिंग-विरोधी सुरक्षा उपाय और प्रतिस्पर्धी करिअर पर है।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी के एक प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक माकिस एसिमाकोपोलोस और एनओए-एनओसी संबंध प्रमुख अलेक्जेंड्रा काराइस्कू की अगुआई में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा से मुलाकात की। इससे पहले नौ जनवरी को भारतीय ओलंपिक संघ ने अहमदाबाद में राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी फिर शुरू करने की घोषणा की थी।

संकल्प से समाधान शिविर के आवेदनों का निराकरण करें - कमिश्नर

रीवा (कीर्तिप्रभा) . कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सभी अधिकारी संकल्प से समाधान अभियान में प्राप्त विभागीय आवेदन पत्रों के निराकरण के विशेष प्रयास करें। सभी आवेदन पत्रों का निराकरण सुनिश्चित करें। सभी संभागीय नोडल अधिकारी नियमित रूप से शिविरों की निगरानी करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मैहर तथा मऊगंज जिले में आवेदन पत्रों की संख्या अन्य जिलों की तुलना में कम है। इन जिलों में शिविरों का प्रभावी आयोजन कराएं। क्लस्टर स्तर पर आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए लगाए जाने वाले शिविरों में अधिकतम 30 पंचायतें ही शामिल करें। इन शिविरों के माध्यम से शासन की सभी प्रमुख योजनाओं का प्रचार-प्रसार कराएं। शिविरों के दिन और स्थल का भी व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। संभागीय अधिकारी प्रत्येक जिले में अभियान के दौरान दर्ज विभाग से जुड़े आवेदन पत्रों के निराकरण की समीक्षा करें। राजस्व, श्रम, सामाजिक न्याय, ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा ऊर्जा विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इनका निराकरण कराएं। बैठक में समाजसेवी संस्था फेम द्वारा आकस्मिक हार्टअटैक पीड़ित की जान बचाने के लिए सीपीआर (कृत्रिम सांस और धड़कन को चलाने के लिए कृत्रिम उपाय) का प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने सीपीआर की विधि और उपयोगिता की विस्तार से जानकारी दी।

कमिश्नर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित आवेदनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आवेदन पत्रों के नॉन अटेंडेड रहने पर जिले और विभाग की रैंकिंग प्रभावित होती है। आवेदन पत्रों में समय पर कार्यवाही न करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। सीएम हेल्पलाइन में सौ दिन से अधिक समय से लंबित आवेदन पत्रों का 15 मार्च तक शत-प्रतिशत निराकरण कर दें। राजस्व, खाद्य, पीएचई, शिक्षा, श्रम, ग्रामीण विकास विभाग, ऊर्जा, नगरीय निकाय, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग आवेदन पत्रों के निराकरण में विशेष ध्यान दें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें।

कमिश्नर ने कहा कि यूरिया खाद की रैक लगातार प्राप्त हो रही है। इसका ई टोकन के माध्यम से व्यवस्थित वितरण कराएं। इस सप्ताह भी रीवा और सीधी में खाद की रैक आएगी। खाद के अग्रिम भण्डारण के लिए भी समितियों के पास पर्याप्त खाद उपलब्ध कराएं। कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं पर तत्परता से कार्यवाही करें। शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग तथा पशुपालन विभाग अपने मैदानी अमले को सक्रिय करके विभाग की उपलब्धियों को बेहतर करें। महिलाओं तथा शिशुओं की स्वास्थ्य रक्षा, टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन तथा समय पर जाँच एवं कुपोषण पर नियंत्रण के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग मिलकर प्रयास करें। विभागीय योजनाओं में समन्वय के लिए संभाग, जिला और विकासखण्ड स्तर पर संयुक्त बैठकें आयोजित करें।

कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। संयुक्त संचालक कृषि संभाग

जनसुनवाई में की गई 66 आवेदकों की सुनवाई

कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को समाधानकारक कार्यवाही के दिये गये निर्देश

रीवा (कीर्तिप्रभा) .प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आज कलेक्ट्रेट में 66 आवेदकों की समस्यायें सुनीं गई। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने प्राप्त आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर समाधानकारक कार्यवाही के निर्देश दिये। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर राजेश कुमार सिन्हा एवं डिप्टी कलेक्टर सुरभि जैन ने भी आवेदकों की समस्यायें सुनीं। नसुनवाई में महसांव निवासी प्रेमलाल चौरसिया ने बिजली के करंट से अपने परिजन की मृत्यु पर आर्थिक सहायता प्रदान करने का आवेदन दिया कलेक्टर ने तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। रूपौली निवासी चन्द्रकांत द्विवेदी के बेदखली के आदेश का पालन कराने तथा अपरवार निवासी श्यामबिहारी मिश्रा के सड़क निर्माण कराने के आवेदनों को तहसीलदार जवा को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार तीरथ प्रसाद पाण्डेय लौवा लक्ष्मणपुर के स्थगन के साथ भूमियों के विभाजन का कार्यवाही करने के आवेदन पर तहसीलदार हुजूर को, लेखधारी तिवारी डढ़िया के रास्ता निर्माण कराने के आवेदन पर तहसीलदार सेमरिया को कार्यवाही के निर्देश दिये गये। कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान विनोद रजक चिकान टोला रीवा ने भूमि स्थगन की जाँच का आवेदन दिया जिसे नजूल अधिकारी को, धनेश सोनकर गाढ़ा 138 के अधूरी सड़क व पुल के निर्माण के आवेदन पर अधीक्षण यंत्री पीडब्ल्यूडी को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। इसी क्रम में फूलचन्द्र साकेत गोविंदगढ़ को तथा अरूण कुमार त्रिपाठी उर्रहट के मुख्य नाली की सफाई न होने से घर में पानी भरने की शिकायत पर आयुक्त नगर निगम को समाधानकारक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

उप मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल से रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा प्रस्थान कर 11 फरवरी को सुबह 7.55 बजे रीवा रेलवे स्टेशन आएंगे और निज निवास के लिए प्रस्थान करेंगे। उप मुख्यमंत्री स्थानीय कार्यक्रमों मे शामिल होने के बाद निज निवास में रात्रि विश्राम करेंगे।

कमिश्नर की अध्यक्षता में कृषि विभाग की संभागीय बैठक आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) .. कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता मे 11 फरवरी को दोपहर 2 बजे से कृषि विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आहूत की गयी है। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को उपस्थित के निर्देश दिये हैं।

वनाधिकार दावों के निराकरण के लिए दो दिवसीय विशेष ग्राम सभाओं का होगा आयोजन

रीवा (कीर्तिप्रभा) . वनाधिकार दावों के निराकरण के लिए 12 और 13 फरवरी को दो दिवसीय विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। जिले मे वनाधिकार अधिनियम के तहत लंबित दावों के त्वरित निराकरण के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रीवा द्वारा इस संबंध में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ ने कहा है कि दो दिवसीय विशेष अभियान के दौरान वनाधिकार के लंबित दावों के निराकरण के लिए 12 और 13 फरवरी को जिले के सभी जनपद पंचायतों के संबंधित ग्रामों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन अनिवार्य रूप से करें। इन सभाओं में ग्राम वनाधिकार समिति, सरपंच और सचिव की भी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

भू अर्जन प्रकरणों की समीक्षा के लिए बैठक का आयोजन आज

रीवा . कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में भू अर्जन प्रकरण की समीक्षा 11 फरवरी को की जायेगी। कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी, राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतु निर्माण, एनएचएआई, एमपीआरडीसी के विभागीय अधिकारियों सहित सभी एसडीएम को उपस्थित के निर्देश दिये गये है।

कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से पहुंचे कार्यालय

रीवा (कीर्तिप्रभा) .. पर्यावरण की सुरक्षा तथा स्वयं की स्वास्थ्य रक्षा के उद्देश्य से सप्ताह में मंगलवार के दिन कमिश्नर बीएस जामोद की पहल पर अधिकारी और कर्मचारी साइकिल से कार्यालय पहुंच रहे हैं। यह क्रम लगातार बना हुआ है। सुमंगल साइकिल दिवस पर कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। कमिश्नर के साथ अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग डॉ. आरपी सिंह अन्य संभागीय अधिकारी तथा कमिश्नर कार्यालय के कर्मचारी भी साइकिल से कार्यालय पहुंचे।

कमिश्नर ने आम जनता के आवेदनों में की सुनवाई

रीवा (कीर्तिप्रभा) . कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित जन सुनवाई में कमिश्नर बीएस जामोद ने आम जनता के आवेदन पत्रों में सुनवाई की। जनसुनवाई में कमिश्नर ने कृष्णा चौधरी के पेंशन प्रकरण, सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. संध्या श्रीवास्तव के एरियर्स भुगतान तथा कमलेश कुशवाहा के शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे को हटाने के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में धनेन्द्र गुप्ता, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, वीरेन्द्र सोनी सहित विभिन्न आवेदकों के आवेदनों पर सुनवाई की गई। जनसुनवाई में जमीन से अवैध कब्जा हटाने, सीमांकन, भू-अर्जन की राशि तथा उपचार सहायता के प्रकरणों में सुनवाई की गई। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा

रीवा (कीर्तिप्रभा) . रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद 11 फरवरी को जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा करेंगे। संभागीय समीक्षा बैठक सुबह 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित की जा रही है। उपायुक्त जेपी यादव ने एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी के साथ संभाग के सभी सहायक आयुक्तों तथा जिला संयोजकों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कौशल विकास एवं उन्नयन विभाग के अधिकारी तथा आईटीआई के प्राचार्य भी शामिल होंगे।

संभागीय समीक्षा बैठक स्थगित

रीवा (कीर्तिप्रभा) .. रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में 12 फरवरी को स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा खाद्य विभाग की आयोजित होने वाली संभागीय समीक्षा बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। बैठक की आगामी सूचना पृथक से दी जायेगी।

सेफर इंटरनेट डे पर कार्यक्रम आयोजित

रीवा (कीर्तिप्रभा) .. सेफर इंटरनेट डे 2026 के अवसर पर जिला एनआईसी द्वारा संभागीय आईटीआई कॉलेज, रीवा में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख वक्ता जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री मनीष कुमार पटेल द्वारा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल जागरूकता पर विशेष रूप से मार्गदर्शन दिया गया। ार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं

संभागीय बैठक में दिया गया सीपीआर का प्रशिक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा) . कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में अधिकारियों को सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि हार्ट के अचानक काम करना बंद कर देने के कारण व्यक्ति अचेत हो जाता है। ऐसी स्थिति में सीपीआर की तत्काल सहायता मिलने पर उसके प्राण बचाए जा सकते हैं। हर व्यक्ति को कृत्रिम सांस और हृदय को पुनः शुरू करने की तकनीक सीपीआर की पूरी जानकारी और उपयोग करने की विधि मालूम रहनी चाहिए। आपकी जानकारी और तत्परता से किया गया सीपीआर किसी की जान बचा सकता है। हर व्यक्ति को सीपीआर प्रशिक्षण लेकर उसका आवश्यता होने पर उपयोग करना चाहिए। स्वयंसेवी संस्था फेम ने सीपीआर की जानकारी देकर सराहनीय कार्य किया है।

बैठक में फेम संस्था की प्रशिक्षक डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को अचानक हार्टअटैक होता है तो एंबुलेंस अथवा अन्य मेडिकल सुविधा उपलब्ध होने तक उसकी जान बचाने के प्रयास करने चाहिए। हार्टअटैक होने से पाँच मिनट के भीतर सीपीआर की सुविधा मिलने से पीड़ित व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति को हार्टअटैक होता है और उसका शरीर शिथिल पड़ जाए तो उसे जमीन पर खुले में सीधा लिटायें। उसके कंधों को थपथपाकर सांस चलने और धड़कन चलने की जाँच करें। यदि व्यक्ति बेहोश है तो उसकी सांस और धड़कन चलेगी। लेकिन हार्टअटैक में अचेत होने पर सांस और धड़कन टूट जाती है। पीड़ित व्यक्ति के सीने के मध्य भाग में दोनों हाथों से एक मिनट में सौ से 120 बार दबाना होता है। लगभग दो इंच दबाना और छोड़ना आवश्यक है। पीड़ित के सीने को 30 बार दबाने के बाद उसे दो बार नाक बंद करके मुंह से कृत्रिम सांस दें। ऐसा करने से शरीर को ऑक्सीजन मिलता है। सीने को लगातार दबाने से हृदय काम करना शुरू कर देता है। हृदय काम करना न भी शुरू करे तो भी मस्तिष्क तथा शरीर के अन्य भागों में रक्त संचार होने लगता है। इससे व्यक्ति में चेतना लौटने लगती है। हार्टअटैक के पाँच से दस मिनट के भीतर सही तरीके से सीपीआर मिलने से पीड़ित की जान बचाई जा सकती है।

त्योहारों को शांति और सद्भाव के साथ मनाएं - अपर कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा) .. कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित आयोजित की गई। बैठक में आगामी दिनों में आने वाले त्योहारों को शांति और सद्भाव के साथ मनाए जाने पर चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने कहा कि आगामी दिनों में महाशिवरात्रि, होली, ईदुलफितर, रामनवमी एवं महावीर जयंती के त्योहार मनाए जाएंगे। महाशिवरात्रि पर शिव बारात और शोभा यात्रा निकालने का कार्यक्रम है। इसके साथ-साथ गोविंदगढ़ में उर्स का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। जिले की परंपरा के अनुसार सभी त्योहार शांति और सद्भाव से मनाए जाएंगे। त्यौहार पूरे उल्लास और उत्साह से मनाएं। त्योहार मनाते समय अनुशासन बनाए रखें। त्योहारों की भीड़भाड़ का लाभ उठाकर कई बार असामाजिक तत्व अव्यवस्थाएं पैदा करने का प्रयास करते हैं। इनसे कड़ाई से निपटा जाएगा। शोभा यात्रा, चल जुलूस तथा अन्य सभी बड़े आयोजनों में सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। सबके सहयोग से व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। त्योहारों के शांतिपूर्ण आयोजन एवं व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की है। संबंधित अधिकारी इन सभी त्योहारों पर सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत और यातायात व्यवस्था चाक-चौबंद रखें। त्योहारों के दौरान सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों तथा नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में सुरक्षा के उचित प्रबंध करें। बैठक में समिति के सदस्यों ने विभिन्न त्योहारों के आयोजन के संबंध में अपने सुझाव भी दिए। बैठक में शांति समिति के सदस्य सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वित्तीय साक्षरता एवं सुरक्षित बैंकिंग को बढ़ावा देने जागरूकता वैन को दिखाई गई हरी झण्डी

रीवा (कीर्तिप्रभा) . यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा वित्तीय साक्षरता एवं सुरक्षित बैंकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जागरूकता वैन को क्षेत्र प्रमुख अजय खरे एवं उप क्षेत्र प्रमुख मोहम्मद इब्राहीम द्वारा संयुक्त रूप से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह वैन आम नागरिकों को केवायसी सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदम, डिजिटल बैंकिंग, धोखाधड़ी से बचाव, सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय अनुशासन के प्रति जागरूक करेगी। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक, जगमोहन सहित क्षेत्रीय कार्यालय अधिकारी एवं स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे।

जागरूकता वैन द्वारा शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को सरल एवं व्यावहारिक माध्यम से वित्तीय ज्ञानकारी प्रदान की जायेगी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संचालित यह पहल भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्गदर्शन में आयोजित वित्तीय साक्षरता सप्ताह के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसका मुख्य लक्ष्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुरक्षित, समावेशी एवं जागरूक बैंकिंग सेवाओं की जानकारी पहुँचाना है।

मछलीपालक किसानों को मिलेगा बीमा योजना का लाभ

रीवा (कीर्तिप्रभा) .. प्रधानमंत्री मत्स्य कृषक समृद्धि सह योजना के अंतर्गत मछलीपालक किसानों और मछुआरों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। मछलीपालक किसानों और मछुआरों को बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बीमा जागरूकता कार्यक्रम में उप संचालक मछलीपालन विभाग डॉ. अंजना सिंह ने बताया कि जलीय कृषि से जुड़े किसानों के लिए बीमा योजना सुरक्षा कवच का कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत नेशनल फिशरीज डिजिटल पोर्टल पर बीमा उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं, जहां मछलीपालक किसान ऑनलाइन पंजीयन कर बीमा खरीद सकते हैं और सीधे एकमुश्त प्रोत्साहन राशि का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जिले में मछली पालन को संगठित, सुरक्षित और लाभकारी बनाने के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है। जलीय कृषि बीमा योजना से न केवल मत्स्यपालकों का जोखिम कम होगा, बल्कि जिले में मत्स्य उत्पादन को भी नई दिशा और गति मिलेगी।

बीमा जागरूकता कार्यक्रम राष्ट्रीय मत्स्यकीय विकास बोर्ड हैदराबाद द्वारा निर्देश के अनुपालन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से मत्स्यपालकों को योजना के तहत लागू मत्स्यपालन बीमा योजना की विस्तृत जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, रोग अथवा अन्य जोखिमों से होने वाले नुकसान की भरपाई कर मत्स्यपालकों को वित्तीय संबल प्रदान करना है। कार्यक्रम में एनएफडीबी के विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से बीमा योजना की प्रक्रिया, शर्तें और लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। मछलीपालक किसानों को बताया गया कि योजना के अंतर्गत बीमा प्रीमियम का 40 प्रतिशत भाग भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप वहन किया जाएगा। प्रति किसान अधिकतम 4 हेक्टेयर जलक्षेत्र तक बीमा पर प्रोत्साहन देय होगा, जिसकी अधिकतम सीमा एक लाख रुपये निर्धारित की गई है।

कार्यक्रम के दौरान मत्स्यपालकों को एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीयन एवं बीमा कराने में सीएससी अधिकारियों का सहयोग लेने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि अधिक से अधिक किसान योजना का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में जिले के चयनित मछलीपालक विशेषकर झींगा एवं उन्नत मछलीपालन से जुड़े अनुभवी किसान स्टाफ, सीएससी अधिकारियों की उपस्थिति रही।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।